आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. ( ई ) 01/5155/2021-23

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

यू. ( ई ).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

# राहुल के चक्रव्यूह में फंसे मोदी

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 31 ● नई दिल्ली ● 04 से 10 अगस्त 2024

महाराष्ट्र में भाजपा का प्रमुख चेहरा रहे उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व स्थायी तौर पर दिल्ली बुला सकता है। अगले कुछ दिनों में देवेंद्र फड़णवीस को दिल्ली बुलाने की बात कही जा रही है। जेपी नड्डा के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने के कारण बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद खाली है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि इस सीट के लिए देवेन्द्र फड़नवीस आवेदन कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव में हार के बाद देवेंद्र फड़नवीस ने राज्य सरकार में सभी जिम्मेदारियां छोड़कर बीजेपी पार्टी संगठन के लिए काम करने की इच्छा जताई थी। विधानसभा चुनाव से पहले, फड़नवीस ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से कहा था कि वह महाराष्ट्र में भाजपा पार्टी संगठन का पुनर्निर्माण करना चाहते हैं। इसके लिए फड़णवीस ने वरिष्ठों से राज्य सरकार की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करने का अनुरोध किया था। हालांकि, जानकारी है कि बीजेपी नेताओं ने सीधे तौर पर देवेंद्र फड़णवीस को दिल्ली बुलाने की योजना बनाई है। देवेन्द्र फड़णवीस को बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इन वर्षों में देवेंद्र फड़नवीस ने महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और उप मुख्यमंत्री के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। चाहे वह संगठनात्मक कौशल हो, चुनावी रणनीति की

शेष पृष्ठ 2 पर

**॥ सनत जैन ॥**

समय किसी का नहीं होता है। समय अपनी गति से चलता है। समय की गति के साथ जो नहीं चल पाता है, वह नेपथ्य में चला जाता है। 2013 से भारतीय जनता पार्टी का समय शुरू हुआ था। भारतीय जनता पार्टी जो विसात बिछाती थी। कांग्रेस को उस विसात में खेलना पड़ता था। कांग्रेस जवाब देने में फंस जाती थी। कांग्रेस यह भी भूल गई थी, कि उसने 70 सालों में क्या काम किए हैं। आरोपों के चक्रव्यूह में फंसी कांग्रेस उस समय आरोपों के बचाव में लग गई थी। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने सपनों का ऐसा मायाजाल मतदाताओं के लिए बुना। मतदाताओं को लगा कि नरेंद्र मोदी आएंगे, उसके अच्छे दिन आ जाएंगे। महंगाई खत्म हो जाएगी। हर साल 2 करोड़ लोगों को नौकरी मिलेगी। विदेश से काला धन आएगा। हर परिवार को 15 से 20 लाख रुपए मिल जाएंगे। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता का सबसे उच्चतम स्तर था। मतदाताओं के मन में यह विश्वास बैठा दिया गया था। 70 सालों में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया है। कांग्रेस नेताओं ने केवल भ्रष्टाचार किया है। कांग्रेस को भ्रष्टाचार का पर्याय बना दिया गया था। वे सारे आरोप अब भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ नजर आ रहे हैं। पिछले 10 वर्ष से केंद्र में भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार है। देश के कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। जो आरोप उस समय भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर लगाए थे। किसी भी आरोपों को वह सिद्ध नहीं कर पाए। अदालत से भी 2जी घोटाले और कोयला घोटाले के आरोप प्रमाणित नहीं हुए। पिछले 5 वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं पर आरोप लगाकर जिस तरह ईड़ी और सीबीआई के माध्यम से दबाव बनाकर या तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी में लाया गया या जेल भिजवा दिया गया। आरोपों की इस राजनीति को कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने समझा। आम जनता को भी जो सपने दिखाए गए थे। 10 साल में वह पूरे नहीं होने पर, आम जनता के सपने भी टूटने शुरू हो गए। मुसलमानों का जो डर और भय हिंदुओं में फैलाया गया था। महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते हुए टैक्स ने अब हिंदुओं को भी भाजपा से दूर करना शुरू कर दिया है। हिंदू मतदाता भी समझने लगा है। सत्ता में बने रहने के लिए उसको मोहरा बनाया जा रहा है। लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम के बाद से स्थितियां बदलीं। जिस

शेष पृष्ठ 2 पर

# भाजपा राज में भय और दुश्मनी का माहौल

**॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥**

प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव आने से पहले कांग्रेस संसदीय दल की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में सीपीपी की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि "माहौल हमारे पार्टी के पक्ष में है, लेकिन लोकसभा चुनाव में जो गति और सद्भावना पैदा हुई थी, उसे बरकरार रखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। मैं यह कहने का साहस करती हूं कि यदि हम लोकसभा चुनावों में देखे गए रुझान को दर्शाते हुए अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो राष्ट्रीय राजनीति में बदलाव आएगा। गांधी ने मोदी सरकार पर लोकसभा चुनावों में "अपनी महत्वपूर्ण गिरावट" से सही सबक नहीं लेने और "समुदायों को विभाजित करने और भय और दुश्मनी का माहौल फैलाने" की अपनी नीति पर कायम रहने का भी आरोप लगाया। सोनिया गांधी ने पहली बार सांसदों के लिए एक विशेष संदेश भी दिया, जिसमें कांग्रेस सांसदों को "पूरी तरह से तैयार" रहने, संसद सत्र न चूकने और समिति के कार्यों को "गंभीरता" से लेने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आप में से कई लोग पहली बार सांसद बने हैं। कल हमारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम था। ऐसे और भी मौके आएंगे। मैं बस यह दोहराना चाहती हूं कि हममें से प्रत्येक को पूरी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। हमें नियमित रूप से संसद में उपस्थित रहना चाहिए, हर समय सतर्क रहना चाहिए और अपनी समिति के कार्यों को गंभीरता से लेना चाहिए।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने यह भी कहा कि कांग्रेस संसदीय दल को "अधिक व्यापक शोध समर्थन और बैकअप" की

शेष पृष्ठ 2 पर

# पीड़ितों से मिले राहुल गांधी- मुझे ऐसा महसूस मेरे पिता के निधन पर हुआ था

**॥ उमेश जोशी ॥**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरल के वायनाड में भूस्खलन से हुई तबाही को देखना दुखद है। गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वह वही भावनाएं महसूस कर रहे हैं जो उन्हें तब महसूस हुई थीं जब उनके पिता, पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की 1991 में मृत्यु हो गई थी। राहुल ने कहा कि यह वायनाड, केरल और देश के लिए एक भयानक त्रासदी है। हम यहां हालात देखने आये हैं। यह देखना दुखद है कि कितने लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों और अपने घरों को खो दिया है।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हम मदद करने की कोशिश करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि बचे लोगों को उनका हक मिले। उनमें से बहुत से लोग स्थानांतरित होना चाहते हैं। यहां बहुत कुछ करने की जरूरत है। मैं डॉक्टरों, नर्सों, प्रशासन और स्वयंसेवकों सहित उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरे लिए, यह निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय आपदा है। देखते हैं सरकार क्या कहती है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह समय राजनीतिक मुद्दों पर बात करने का है। यहां के लोगों को मदद की जरूरत है। अभी समय यह सुनिश्चित करने का है कि सभी सहायता मिले। मुझे अभी राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे वायनाड के लोगों में दिलचस्पी है।

गांधी ने कहा कि आज मुझे महसूस हो रहा है कि जब मेरे पिता की मृत्यु हुई तो मुझे कैसा महसूस हुआ था। यहां लोगों ने सिर्फ एक पिता नहीं बल्कि पूरा परिवार खो दिया है. हम सभी इन लोगों के सम्मान और स्नेह के ऋणी हैं। पूरे देश का ध्यान वायनाड की ओर है। प्रियंका ने कहा कि हमने पूरा दिन उन लोगों से मिलने में बिताया है जो पीड़ित हैं। यह बहुत बड़ी त्रासदी है. हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं कि लोगों को कितना दर्द हो रहा है। जितना संभव हो सकेगा हम लोगों की मदद करेंगे।

हिमाचल प्रदेश में भी बड़ी त्रासदी हुई है। कल, हम बैठकर योजना बनाएंगे कि हम विशेष रूप से उन बच्चों की कैसे मदद कर सकते हैं जो अब अकेले रह गए हैं।

कांग्रेस नेता एवं वायनाड

शेष पृष्ठ 2 पर

## वायनाड हादसा: गांव और जंगलों में मिल रहीं लाशें

वायनाड में हुए भूस्खलन हादसे में अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में गांव और जंगलों से लाशे मिल रहीं हैं। यहां युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कर चल रहा है। रेस्क्यू में जुटे बचावकर्मियों को अब तक 195 शव ही मिले हैं। बाकी, लोगों की मौत की पुष्टि उनके बॉडी पार्ट्स से की गई है। यानी 105 लोगों के शव का कोई ना कोई हिस्सा बरामद हुआ है, जिससे उनकी मौत कंफर्म हुई है। सेना ने हादसे के बाद जो बेली ब्रिज बनाया है, इससे 25 एंबुलेंस मुंडकई पहुंचाई जाएंगी। मिट्टी में दबे शवों का पता लगाने के लिए दिल्ली से ड्रोन आधारित रडार आने वाला है। तलाशी अभियान में 6 कुत्तों की भी मदद ली जा रही है। आज तमिलनाडु से 4 और कुत्ते लाए जाएंगे। 40 टीमें लोगों के रेस्क्यू में जुटे हुए हैं। रेस्क्यू

शेष पृष्ठ 2 पर

# संपादकीय

## लोकसभा में चक्रव्यूह की राजनीति

चक्रव्यूह महाभारत के समय का हो या कलयुग का खतरनाक होता है। कलयुग की बल्कि मोदी युग की सियासत चक्रव्यूह में फंसी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 45 मिनिट तक मौजूदा सियासी चक्रव्यूह पर जब लगातार बोला तो सत्तापक्ष के हौसले कमजोर होते दिखाई दिए। लोकसभा अध्यक्ष तक राहुल गांधी के सामने असहाय नजर आये।

पिछले एक दशक में लोकसभा का यह दिन सबसे ज्यादा मार्मिक था। किसी को अंदाज नहीं था कि बजट भाषण पर बोलते हुए प्रतिपक्ष को इस हिकमत अमली के साथ बेनकाब करेंगे, कि सत्तापक्ष मन मसोस कर रह गया। सत्ता के बचाव में खड़े देश के रक्षा मंत्री और संसदीय कार्यमंत्री तक दांत पीसते नजर आये लेकिन राहुल को बोलने से नहीं रोक पाए। सत्ता पक्ष को भी ये उम्मीद नहीं थी कि विपक्ष के नेता उनके ही तीर से उन्हें ही भेदने में कामयाब हो जायेंगे। देश ने पहली बार देखा की लोकतंत्र की भूमि अभी वीरविहीन नहीं हुई है।

राहुल कि भाषण कि दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू को सबने बिलबिलाते देखा । किरण ने राहुल पर आरोप लगाया कि वे संसदीय कानूनों को नहीं जानते। किरण ये आरोप लागते हुए भूल जाते हैं कि राहुल उतने ही वरिष्ठ सांसद हैं जितने की वे। राहुल गांधी को संसदीय कामकाज का ज्ञान नहीं होगा। राहुल गांधी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी वरिष्ठ हैं और प्रधानमंत्री से भी। उन्हें यदि संसदीय प्रक्रिया का ज्ञान न होता तो ओम बिरला राहुल की गिल्लियां उड़ा देते।

राहुल के भाषण में सच कितना था और झूठ कितना ये संसदीय अभिलेख में दर्ज हो चुका है। सत्तापक्ष चाहे तो उनके झूठ को बिना मशीन कि इस्तेमाल के भी जांचा जा सकता है । राहुल बच्चे नहीं है। उन्होंने अपना भाषण मेहनत से तैयार किया होगा, तभी तो वे सत्तापक्ष के चक्रव्यूह को भेद सके और लगातार हमलावर रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर अडानी और अंबानी को भी निशाने पर लिया। सत्तापक्ष और लोकसभा अध्यक्ष भी राहुल को न रोक पाए और न टोक पाए,क्योंकि राहुल पूरी तैयारी से लोकसभा में आये थे। उन्होंने कराधान से लेकर तमाम दूसरे मुद्दों पर जमकर बोला। उन्होंने चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए कलियुग के उन पात्रों का भी उल्लेख कर दिया जो जनता के साथ लगातार गलत बयानी कर रहे हैं।

राहुल के भाषण में मोदी जी के भाषणों जैसे कटाक्ष नहीं थे। घबड़ाहट नहीं थी और न ही खिसियाहट। राहुल सामन्य होकर भाषण दे रहे थे। ये उनका आत्मबल है, अन्यथा आज के युग में मोदी जी के मुकाबले कौन खड़ा हो सकता है? राहुल ने देश में और भाजपा में व्याप्त भय को रेखांकित करना नहीं भूले। उन्होंने बार-बार इस बात का जिक्र किया कि भाजपा भय की राजनीति कर रही है। उन्होंने भाजपा और उसके समर्थकों को शिवजी की बारात तक कह दिया। उन्होंने अपने भाषण में कोई भी मुद्दा नहीं छोड़ा। राहुल ने अग्निवीर,नीट पर्चा लीक ही नहीं बल्कि किसानों और युवाओं के भी मुद्दे उठाये। उन्होंने जातीय जनगणना का मुद्दा भी छोड़ा नहीं है

देश ने देखा की राहुल के भाषण के समय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण भी सदन में मौजूद थीं, लेकिन वे भी राहुल के भाषण के दौरान अपने दोनों हथेलियों से अपना चेहरा छिपातीं नजर आयी। वे या तो राहुल के भाषण से ऊब रहीं थीं या फिर शर्मसार हो रहीं थीं वित्तमंत्री की अकुलाहट देखने लायक थी। राहुल ने किसानों का ही नहीं अपितु पत्रकारों को एक शीशे के पीछे कैद किये जाने का भी जिक्र किया। लोकसभा अध्यक्ष राहुल के आरोपों पर निरुत्तर दिखाई दिए । उन्हें न जानें कितनी बार राहुल को डांटा, डराया, धमकाया लेकिन जब राहुल पर किसी भी बात का कोई असर नहीं हुआ तो खामोश हो गए। राहुल ने जिस हिकमत अमली का मुजाहिरा किया वो अप्रत्याशित था। उन्हें जब लोकसभा अध्यक्ष ने हद में रहने और अडानी तथा अम्बानी पर बोलने से रोका तो राहुल ने एक को ऐ-वन और दूसरे को ऐ-टू के नाम से सम्बोधित करने की अनुमति मांगी।

गौरतलब है कि नयी लोकसभा में चुनकर आये विपक्ष के सदस्य गूंगे-बहरे नहीं है । राहुल से पहले तृण मूल कांग्रेस के अभिजीति बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को छकाया था। अभिजीत के भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के तमाम सदस्य कसमसाते रह गए। मुझे हैरानी है कि लोकसभा अध्यक्ष ने इतना सब कुछ होने के बाद भी अभी तक सदन के किसी सदस्य को निलंबित नहीं किया है। पिछली बार निलंबित सदस्यों की संख्या 150 के आसपास पहुंच गयी थी। लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला को असहाय देखकर उनसे विशेष सहानुभूति हुई। वे भले ही भाजपा से हैं इससे क्या फर्क पड़ता है?

भाजपा के चक्रव्यूह में देश भी है और राहुल गांधी भी। अब देखना ये है की देश और राहुल भाजपा के इस चक्रव्यूह को भेद पाते हैं या उनकी दशा भी अभिमन्यु की तरह होगी? आज की पीढ़ी महाभारत के चक्रव्यूह के बारे में यदि नहीं जानती हो तो उसे गूगल खंगाल लेना चाहिए। समझ में आ जाएगा की अभिमन्यु वध में किसने ,क्या किया था। आज की भारतीय राजनीति में राहुल चक्रव्यूह में घिरे भी हैं लेकिन उन्होंने चक्रव्यूह से निकलकर भी दिखा दिया है। राहुल मोदी युग में मोदी के रहते हुए भी अब एक ब्रांड बन गए हैं। यही उनकी उपलब्धि है। याद रखिये की मै न मोदी के पाले में हूँ और न राहुल के पाले में। मै जनता के पाले में हूँ।

पृष्ठ 1 का शेष

## राहुल के चक्रव्यूह में फंसे मोदी

राहुल गांधी को भाजपा और मीडिया ने पप्पू बनाया था, वही पप्पू अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सामने एक ऐसे योद्धा के रूप में खड़ा है, जिसका मुकाबला करना अब भाजपा के लिए आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह की राजनीति करती थी। राहुल गांधी और कांग्रेस भी जिन अस्त्र और शस्त्र का प्रयोग बीजेपी, कांग्रेस और विपक्षी दलों के खिलाफ करती थी, उसे करना शुरू कर दिया है। विपक्ष ने अब भाजपा को उसी स्टाइल में घेरना शुरू कर दिया है। पहले चक्रव्यूह भाजपा रचती थी, अब विपक्ष ने भी चक्रव्यूह बनाना सीख लिया है। अग्निवीर,जाति जनगणना को लेकर जिस तरह से राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है, उसकी प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। केंद्र में अल्पमत की सरकार होने के कारण भाजपा की घबराहट स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। सदन की कार्रवाई में जिस तरह से अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति को लेकर उन पर निजी हमला बोला। उधार की बुद्धि जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। नेता प्रतिपक्ष के रूप में प्रोपेगेंडा करने की बात कही। राहुल गांधी ने सदन के अंदर जिस तरह से इसका जवाब दिया, उससे स्पष्ट है, कि अब बिसात राहुल गांधी बिछाते हैं। भाजपा उसमें फंस जाती है। इस समय सारे दांव भाजपा के लिए उल्टे पड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझने में कांग्रेस को 10 साल लग गए। कहा जाता है, जिस काम में जिस तरह से वह किया गया है, उसमें सफलता मिलती है।

हम यह मानकर चलने लगते हैं कि यह रास्ता ही सबसे अच्छा है। उस रास्ते को छोड़ने का साहस नहीं कर पाते हैं। यही असफलता का कारण बन जाता है। इस बीच में समय बदल गया होता है। भारतीय जनता पार्टी विपक्षियों के ऊपर आरोप लगा देने, मतदाताओं को बड़े-बड़े सपने दिखा देने से जो सफलता मिल रही थी, आज वही भाजपा के लिए सबसे बड़ी असफलता का कारण बन रही है। पिछले 10 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने जो बोया था, अब उसको काटने का काम कांग्रेस कर रही है। भयभीत राहुल गांधी अब निर्भय हो गए हैं। अब वह बिना डरे हुए भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं।

भाजपा ने जो सपने, डर और भय फैलाया था। वही अस्त्र-शस्त्र अब कांग्रेस उपयोग में ला रही है। अग्नि वीर और जाति जनगणना पर राहुल गांधी ने सदन के अंदर जिस तरह भारतीय जनता पार्टी को घेरा है।

## भाजपा राज में भय और दुश्मनी का माहौल

आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "हमारे पास एक प्रणाली है, लेकिन हमारी बढ़ती संख्या के साथ, इस प्रणाली को जल्द ही मजबूत किया जाना चाहिए।" महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं। सोनिया गांधी ने कांग्रेस नेताओं से लोकसभा चुनाव में उत्पन्न हुई "गति और सद्भावना" को बनाए रखने और "उद्देश्य की भावना के साथ एकजुट होकर" काम करने का भी आग्रह किया।

बैठक के दौरान सोनिया गांधी ने हफ्तों तक हुई भारी बारिश के कारण हुए वायनाड भूस्खलन का जिक्र किया, जिसमें अब तक सैंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने झारखंड में मुंबई-हावड़ा मेल के पटरी से उतरने के बाद कुप्रबंधन के कारण हुई "रेलवे दुर्घटनाओं" पर भी प्रकाश डाला, जिसमें दो की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय जनगणना कराने में देरी को लेकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की, जो 2021 से होनी है।

## देवेंद्र फड़णवीस बन सकते हैं...

योजना का हिस्सा हो या पार्टी को किसी राजनीतिक संकट से बाहर निकालना हो, वर्तमान में महाराष्ट्र में ऐसे कुछ ही नेता हैं जो देवेंद्र फड़नवीस की बराबरी कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि बीजेपी नेतृत्व की रणनीति है कि फड़णवीस की पहुंच और क्षमताओं का इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी संगठन के लिए किया जा सके।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए देवेंद्र फड़नवीस के नाम का समर्थन कर रहा है। इसलिए अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि देवेंद्र फड़णवीस को दिल्ली कब बुलाया जाएगा?

जहां अध्यक्ष पद की कमान देवेन्द्र फड़णवीस को सौंपने की चर्चा चल रही है, वहीं खबर है कि बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व एक और विकल्प पर विचार कर रहा है। सूत्रों की मानें तो पार्टी नेतृत्व शुरू में फड़णवीस को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने और विधानसभा चुनाव तक महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का पद बरकरार रखने और फिर चुनाव के बाद उन्हें पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के विकल्प पर भी विचार कर रहा है। दूसरा विकल्प यह है कि देवेंद्र फड़णवीस को तुरंत अंतरिम राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद दिया जा सकता है।

दिसंबर और जनवरी महीने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर आगे फैसला लिया जा सकता है। इसलिए यह देखना अहम होगा कि पार्टी इस संबंध में क्या अंतिम फैसला लेती है।

## पीड़ितों से मिले राहुल गांधी- ऐसा मुझे मेरे पिता...

से पूर्व सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने को केरल में वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र चूरलमाला का दौरा किया। कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी दी। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक बारिश के बीच घटनास्थल पर पहुंचने के बाद राहुलऔर उनकी बहन प्रियंका मेप्पाडी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए रवाना हो गए। उन्होंने बताया कि वहां से वे डॉ. मूपेन मेडिकल कॉलेज और मेप्पाडी स्थित दो राहत शिविरों का दौरा किया। पार्टी महासचिव एवं अलप्पुझा से सांसद के सी वेणुगोपाल भी उनके साथ रहे। गांधी ने 2019 में वायनाड लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीता था।

## वायनाड हादसा: गांव और जंगलों में मिल रहीं लाशें

ऑपरेशन को प्रभावी बनाने के लिए सर्च क्षेत्र को 6 अलग-अलग भागों में बांटने की बात चल रही है। इनमें से पहला क्षेत्र अट्टामाला और आरणमाला से बना है। दूसरा क्षेत्र मुंडकई, तीसरा क्षेत्र पुंजरीमट्टम, चौथा क्षेत्र वेल्लरमाला विलेज रोड, पांचवां क्षेत्र जीवीएचएसएस वेल्लरमाला और छठा इलाका नदी का बहाव क्षेत्र है। हर टीम के साथ तीन स्थानीय लोग और एक वन विभाग का कर्मचारी भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा चलियार नदी के आसपास के 8 पुलिस स्टेशनों के पुलिसवाले और तैराकी में माहिर लोग भी खोज करने जा रहे हैं। इसके अलावा हेलिकॉप्टर के जरिए भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा जा रहा है।

तटरक्षक और नौसेना के साथ वन विभाग के कर्मचारी उन जगहों पर भी खोज करने जा रहे हैं, जहां शवों के बहकर आने की संभावना है। बता दें कि वायनाड में पहली लैंडस्लाइड 30 जुलाई की सुबह तड़के करीब 2 बजे हुई। इसके बाद सुबह करीब 4.10 बजे फिर एक बार लैंडस्लाइड हुई। इसके साथ ही तीसरी बार फिर लैंडस्लाइड हुई। लैंडस्लाइड में वायनाड के 4 गांव मलबे के ढेर में तब्दील हो गए, जिनमें से लोगों को निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन की प्रगति के साथ मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है।

# कोचिंग सेंटर: हाई कोर्ट ने एमसीडी-दिल्ली पुलिस को लगाई फटकार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली उच्च न्यायालय ने राउस आईएएस अकादमी के बेसमेंट में तीन यूपीएससी छात्रों की मौत पर एमसीडी, दिल्ली विकास प्राधिकरण, शहर सरकार, दिल्ली पुलिस और जांच अधिकारी को फटकार लगाई। हाई कोर्ट ने जांच के तरीके की आलोचना की। अदालत ने कहा कि यह आपराधिक लापरवाही का मामला है और वह यह सुनिश्चित करेगी कि मामले में जवाबदेही तय हो। हाई कोर्ट ने जांच अधिकारी, डीसीपी और एमसीडी कमिश्नर को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा कि हम समझते हैं कि सभी हितधारक जिम्मेदार हैं। हम सभी शहर का हिस्सा हैं। यहां तक कि हम नाली खोल रहे हैं, नाली बंद कर रहे हैं। लेकिन अंतर यह है कि आप शहर का निर्माण कर रहे हैं। यह एक ऐसी रणनीति है जहां किसी भी व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता है। हमें यह पता लगाना होगा कि एक प्राधिकारी का अधिकार क्षेत्र कहां समाप्त होता है और दूसरे की जिम्मेदारी कहां शुरू होती है।"

न्यायालय ने यह भी सुझाव दिया कि यदि जांच अधिकारी गहन जांच नहीं करता है, तो मामले को एक केंद्रीय एजेंसी को स्थानांतरित किया जा सकता है। न्यायालय ने अधिकारियों के बीच जिम्मेदारियों के स्पष्ट चित्रण की आवश्यकता और स्थानीय जांच अपर्याप्त होने पर उच्च-स्तरीय हस्तक्षेप की संभावना पर प्रकाश डाला। दिल्ली उच्च न्यायालय का निर्देश है कि बदलाव सुनिश्चित करने के लिए एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए। अदालत ने आदेश दिया कि की गई कार्रवाई का विवरण देने वाला एक हलफनामा कल तक प्रस्तुत किया जाए। इसमें यह भी कहा गया कि सभी प्रासंगिक फाइलें अदालत के समक्ष पेश की जाएंगी और एमसीडी निदेशक को उपस्थित होना होगा। साथ ही मामले में दिल्ली पुलिस को प्रतिवादी के तौर पर जोड़ा जाना चाहिए.।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने किसी केंद्रीय एजेंसी को कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत के मामले की जांच करने का निर्देश देने के संकेत दिए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्राधिकारियों को फटकार लगाई, कहा - आप बहुमंजिला इमारतों को मंजूरी दे रहे हैं, लेकिन ढंग के नाले नहीं हैं। उच्च न्यायालय ने प्राधिकारियों पर तंज करते हुए कहा कि उन्हें बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की जरूरत है, लेकिन वे दिवालिया हो गए हैं और वेतन भी नहीं दे पा रहे हैं। कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा अजीब जांच चल रही है, पुलिस पास से गुजरने वाले कार चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, लेकिन एमसीडी अधिकारियों के खिलाफ नहीं।

# दिल्ली सरकार कोचिंग सेंटरों को रेगुलेट करने के लिए कानून लाएगी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि आप सरकार पुराने राजिंदर नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबकर सिविल सेवा के तीन उम्मीदवारों की मौत पर आक्रोश के बीच कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने के लिए कानून लाएगी। दिल्ली की मेयर शेली ओबेरॉय के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा कि राऊ के आईएएस स्टडी सर्किल कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी के बाद 30 कोचिंग सेंटरों के बेसमेंट को सील कर दिया गया है और 200 संस्थानों को नोटिस जारी किया गया है।

शेली ओबेरॉय ने कहा, "हम छात्रों की मांगों को सुनेंगे, हम जल्द ही उनके साथ बैठक करेंगे और उसके बाद हम कोचिंग संस्थान विनियमन अधिनियम लाएंगे।" एमसीडी की प्रारंभिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आतिशी ने कहा कि घटना के पीछे मुख्य कारण कोचिंग सेंटरों द्वारा नाले के किनारे अतिक्रमण करना था, जिसके कारण बाढ़ का पानी कम नहीं हो पाया। आतिशी ने कहा, "वहां सभी कोचिंग सेंटरों ने नाले पर अतिक्रमण कर लिया था, जिसकी वजह से पानी नीचे नहीं जा रहा था।"

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इलाके में जल निकासी व्यवस्था में गाद जमी हुई थी। इसके अलावा, इमारत के बेसमेंट का इस्तेमाल लाइब्रेरी के तौर पर किया जा रहा था, जबकि अधिकारियों ने इसे स्टोरेज के तौर पर इस्तेमाल करने की मंजूरी दी थी।

आतिशी ने कहा कि इलाके में अतिक्रमण रोकने के लिए जिम्मेदार जूनियर इंजीनियर को एमसीडी ने "हमेशा के लिए बर्खास्त" कर दिया है। सहायक इंजीनियर को भी निलंबित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, "छह दिनों में मजिस्ट्रेट रिपोर्ट आ जाएगी और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने यह भी कहा कि पिछले तीन दिनों में कोचिंग सेंटरों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से गिरा दिया गया है।

# अरविंद केजरीवाल की जान खतरे में है: सुनीता

फोटो : कमलजीत

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में कहा कि भाजपा की राजनीति नफरत और दिल्ली के लोगों का काम रोकने की है, अरविंद केजरीवाल लोगों के लिए लड़ रहे हैं। सुनीता केजरीवाल ने इंडिया गठबंधन की रैली में आरोप लगाया कि भगवान का शुक्र है कि मेरे पति के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई। उनकी जान खतरे में है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को एनडीए के सांसद के झूठे बयान पर ईडी ने गिरफ़्तार कर लिया। जब ट्रायल कोर्ट ने उन्हें जमानत दी तो ईडी अपने वकील के ही भाई की कोर्ट में जाकर जमानत रुकवा दी। फिर CBI ने इन्हें गिरफ़्तार कर लिया। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि जेल में केजरीवाल की शुगर 50 से नीचे चली जाती है जो उनकी ज़िंदगी के लिए खतरनाक है और एलजी कहते हैं कि केजरीवाल जानबूझकर इन्सुलिन नहीं ले रहे हैं। क्या कोई अपनी खुद की जान खतरे में डालता है? ये अरविंद केजरीवाल को साज़िशन गिरफ़्तार कर, दिल्ली के काम रोकना चाहते हैं क्योंकि वो इनसे लड़कर दिल्ली के लोगों के कामों को करवा लेते हैं। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की तानाशाह सरकार ने दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन को जेल डालकर रखा है। नरेंद्र मोदी को मैं कहना चाहूंगा कि अगर आप तानाशाह हैं तो हम आप के सिपाही हैं। आज जेल में अरविंद केजरीवाल का Sugar level कई बार 50 के नीचे जा चुका है और वहां उनकी तबीयत के साथ बीजेपी खिलवाड़ कर रही है। लेकिन इसके बावजूद केजरीवाल तानाशाह से डर नहीं रहे हैं।

दिल्ली में बरसात के बाद जलभराव होने के कारण दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मैम्बर एआईसीसी सुनील बजाज के फिसलकर गिरने पर उनके पैर में फ्रेक्चर होने पर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना के साथ उनके निवास स्थान ईस्ट पटेल नगर मिले इस अवसर पर करोल बाग जिला कांग्रेस अध्यक्ष मदनलाल खोरवाल, नरेश शर्मा नीटू महासचिव डीपीसीसी,जगदीश बड़सीवाल अध्यक्ष ब्लॉक देवनगर कांग्रेस,भोपाल सिंह जाटव चेयरमैन सोशल मीडिया नई दिल्ली लोकसभा भी थे।

# ओल्ड राजेन्द्र नगर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे आतिशी-सौरभ भारद्वाज

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने एक पत्रकार वार्ता में कहा है दिल्ली सरकार की कोचिंग इंस्टीट्यूट रेगुलेशन एक्ट लाने की घोषणा महज एक छलावा। दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने प्रेस वार्ता का संचालन करते हुए कहा कि यह खेदपूर्ण है कि केजरीवाल सरकार आवश्यक गाइडलाइंस लाकर कोचिंग इंस्टीट्यूट समस्या का फौरी समाधान करने के बजाए सुझाव मांगने के खेल में और समाधान प्रक्रिया को ईवेंट बनाने में लग गई है

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने कहा की दस साल पूर्व भी यह एक्ट उतना ही आवश्यक था जितना आज है और इसी के साथ दिल्ली को पी. जी. रेगुलेशन एक्ट की भी उतनी ही जरूरत है क्योंकि यह दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए मामले हैं। अन्य राज्यों से पढ़ने के लिए दिल्ली आने वाले छात्र उतने ही असुरक्षित वातावरण में रहने को भी बाध्य हैं जैसे में पढ़ने को। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की यह खेदपूर्ण है की दस साल तक सोते रहने वाली सरकार आज जब जागी है तो ओचक घोषणाएं करके दिल्ली में सरकारी विभागों की लापरवाही से हुई तीन छात्रों की मौत की जिम्मेदारी जवाबदेही से बचना चाह रही है।

जलबोर्ड द्वारा की सीवर सफाई ना होना हो, फायर सर्विस द्वारा बिना बेसमेंट का वास्तविक उपयोग जांचे

राव इंस्टीट्यूट भवन को एन. ओ.सी. देना हो, नगर निगम की नालियों पर अतिक्रमण रोकने की विफलता हो, नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बेसिक स्वास्थ्य निरिक्षण न करना हो सबके लिए आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली सरकार एवं नगर निगम हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की दिल्ली के मास्टर प्लान 2041 में यह प्रस्तावित है की सभी कोचिंग इंस्टीट्यूट को दिल्ली के वाणिज्यिक क्षेत्रों मे स्थान्तरित किया जाये। काश दिल्ली सरकार समय पर जाग कर इनके स्थानांतरण की प्रक्रिया पर कुछ काम करती तो अब तक कोई स्थाई समाधान निकल सकता था। आतिशी जलबोर्ड, फायर सर्विस एवं अर्बन डेवलपमेंट तीनों विभागों की मंत्री हैं और नैतिक रूप से उनकी जिम्मेदारी हैं, बेहतर होता वह इधर उधर अधिकारियों पर दोषारोपण करने के जिम्मेदारी स्वीकार कर इस्तीफा देतीं।

सचदेवा ने कहा है की अरविंद केजरीवाल सरकार बिना सुरक्षा मानकों के चल रहे इन कोचिंग सेंटरों एवं पी. जी. मामले और छात्रों के प्रति कितनी संवेदनहीन है उसका प्रमाण है की अन्य राज्यों में दुर्घटना होने पर वहाँ भागे जाने वाले मंत्री सुश्री आतिशी एवं सौरभ भारद्वाज दुर्घटना के 5 दिन बाद भी आज तक ओल्ड राजेन्द्र नगर जाने की हिम्मत नही जुटा पा रहे हैं। सौरभ भारद्वाज के एक पुराने विडिओ को पत्रकार वार्ता में चला कर सचदेवा ने कहा कि नगर निगम चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के नेता भारद्वाज कहते थे की हमें नगर निगम सौंपें हम दिल्ली का काया कल्प कर देंगे, आज नगर निगम में "आप" की सत्ता के 20 माह बाद साफ दिखाई रहा है कि कैसा काया कल्प हुआ है।

इस मानसून में बरसाती पानी 12 जीवन लील चुका है। दिल्ली भाजपा मांग करती है की सबसे पहले दिल्ली सरकार कोचिंग सेंटरस के लिए अस्थाई सुरक्षा गाइडलाइंस लाये और साथ ही मास्टर प्लान 2041 के प्रस्तावों को समझते हुए कोचिंग सेंटर एवं पी.जी. स्थाई रेगुलेशन एक्ट लाने पर काम करे।

# ऐसे माहौल में जीना नहीं चाहता....

## सदन में अचानक भावुक हुए मल्लिकार्जुन खड़गे

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति से भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी द्वारा उनकी राजनीतिक यात्रा पर की गई टिप्पणियों को हटाने के लिए कहा, जिसमें उल्लेख किया गया था कि कांग्रेस अध्यक्ष का "पूरा परिवार राजनीति में शामिल था।" उन्होंने 'परिवारवाद' के संबंध में एक टिप्पणी की। खड़गे ने कहा, अनुरोध है कि इसे (रिकॉर्ड से) हटा दिया जाना चाहिए। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह तिवारी द्वारा सदन में की गई टिप्पणियों पर गौर करेंगे और आश्वासन दिया कि कांग्रेस नेता को ठेस पहुंचाने वाला कोई भी शब्द रिकॉर्ड में नहीं रहेगा।

खड़गे ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि वह पहली पीढ़ी के राजनेता थे जिन्होंने अपना करियर कांग्रेस पार्टी से शुरू किया था। उन्होंने बताया कि उनके पिता का 85 साल की उम्र में निधन हो गया था। इसके जवाब में चेयरमैन धनखड़ ने खड़गे की लंबी उम्र की कामना की, जिस पर खड़गे ने कहा, "मैं इस माहौल में ज्यादा दिन तक नहीं रहना चाहता।" सदन में एक सूचीबद्ध पेपर की प्रस्तुति के बाद, खड़गे ने तिवारी द्वारा की गई टिप्पणियों को संबोधित किया, जिन्होंने खड़गे के राजनीतिक करियर पर टिप्पणी की थी और उल्लेख किया था कि खड़गे का पूरा परिवार राजनीति में शामिल था। खड़गे ने अनुरोध किया कि "परिवारवाद" के संदर्भों को रिकॉर्ड से हटा दिया जाए।

जब तिवारी ने यह टिप्पणी की तो धनखड़, जो सदन की अध्यक्षता कर रहे थे, ने सुझाव दिया कि तिवारी का कोई अपराध करने का इरादा नहीं रहा होगा। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि टिप्पणियों की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी। खड़गे ने राहुल गांधी के बारे में अनुराग ठाकुर की टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्वीट की भी आलोचना की। मोदी ने एक्स पर ठाकुर की टिप्पणियों को साझा किया था, उन्हें "तथ्यों और हास्य का सही मिश्रण" बताया था और आईएनडीआई गठबंधन पर गंदी राजनीति का आरोप लगाया था। खड़गे ने प्रधानमंत्री के ट्वीट की निंदा करते हुए कहा, "पीएम मोदी को पता होना चाहिए कि कहां बोलना है और किसका बचाव करना है। संसद में इस तरह के भड़काऊ बयान नहीं दिए जाने चाहिए।"

# कांग्रेस ने शुरू की विधानसभा चुनाव की तैयारी

## मुंबई की सभी 36 सीटों के लिए प्रभारी नियुक्त

कांग्रेस ने मुंबई की सभी 36 सीटों के लिए प्रभारी नियुक्त कर आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य में विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर में होने की संभावना है। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में, अविभाजित शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने क्रमशः 56 और 54 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 44 सीटें हासिल कीं।

कांग्रेस मुंबई की 36 में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है

कांग्रेस इनमें से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का इरादा रखती है, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) इतनी सीटें आवंटित करने में झिझक रही है, और इसके बजाय 22 से 25 सीटों पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य रखती है। 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने मुंबई में 4 सीटें जीतीं, जबकि अविभाजित शिवसेना ने 14 सीटें जीतीं।

चुनावी रणनीति पर चर्चा के लिए उद्धव ठाकरे ने मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) पदाधिकारियों के साथ बैठक की। सीट बंटवारे के विवाद को सुलझाने के लिए बालासाहेब थोराट समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता काम कर रहे हैं। सीट-बंटवारे के मुद्दों को संबोधित करने के लिए एमवीए (महाराष्ट्र विकास अघाड़ी) की एक संयुक्त बैठक अस्थायी रूप से 7 अगस्त को निर्धारित है।

# संगीत के बिना जीवन अधूरा है -डॉ. राजेंद्र जैना

॥ मुमताज ॥

संगीत के बिना हम जीवन जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते, क्योंकि इस सृष्टि का उत्थान ही "ओम" से हुआ है ,जिसे हिंदू धर्म में सृष्टि की आदि ध्वनि माना जाता है। संगीत, भावनाओं का संक्षिप्त रूप है और इसी संगीत को अपनी आवाज के जरिये हर इंसान की आत्मा तक पहुंचाया मोहम्मद रफी साहब ने, रफी जैसे कलाकार मरा नहीं करते अमर होते है यह कहना था प्रसिद्ध व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक और कला प्रमोटर डॉ. राजेंद्र जैना का, जिन्होंने रफी साहब की 45वीं पुण्यतिथि के अवसर पर

एएएफटी स्कूल ऑफ म्यूज़िक व जे. आर. एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित एक संगीत कार्यक्रम का मुख्य अतिथि के रुप में उद्घाटन किया। इस अवसर पर मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष संदीप मारवाह मौजूद रहे, संदीप मारवाह ने कहा की जो भी इंसान संगीत को चाहता है वो रफी साहब को नही चाहता हो ऐसा हो नहीं सकता, जो रफी साहब को सुनता हों वो संगीत से अलग हो ऐसा हो नहीं सकता। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र जैना ने संगीत उद्योग में मोहम्मद रफी के स्मरणीय योगदान के विषय में बात की, जिसमें उन्होंने हिंदुस्तान की सभी भाषाओं में 7000 से अधिक गीतों की रचना पर प्रकाश डाला।

यहां तक की अंग्रेजी भाषा नही जानते हुए भी अंग्रेजी में अपनी आवाज के जादू का परचम लहराया। रफी साहब को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए, डॉ जैना ने रफी जी के शम्मी कपूर पर फिल्माए गए, कई गाने भी गाए, मारवाह स्टूडियो में छात्रों से भरा खचाखच सभागार जोरदार तालियों से गूंज रहा था। यह कार्यक्रम न केवल मोहम्मद रफी की संगीत प्रतिभा का जश्न मनाने का अवसर था, बल्कि उन छात्रों को सम्मानित करने का भी अवसर था, जो उनकी विरासत को जीवित रखना चाहते हैं। संदीप मारवाह ने डॉ. राजेंद्र जैना को एएएफटी के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन क्लब की आजीवन सदस्यता प्रदान करते हुए सम्मानित भी किया।

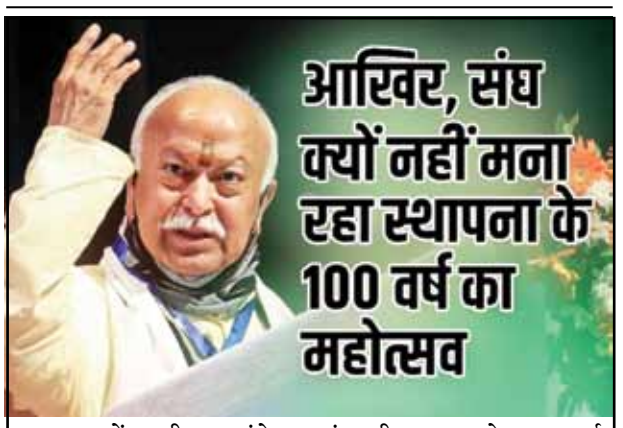


1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। माना जा रहा था, संघ अपने 100 साल का महोत्सव पूरे धूमधाम से देश भर में मनाएगा। लेकिन संघ ने महोत्सव मनाने से मना कर दिया है। ऐसा क्यों हुआ, इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। यह कहा जा रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के बीच दूरियां बन गई हैं। दोनों में आपस में बात भी नहीं होती है ऐसी स्थिति में संघ अब सरकार के भरोसे कोई कार्यक्रम नहीं करना चाहता है। यह नाराजी संघ ने 100 वर्ष का कार्यक्रम नहीं मनाकर,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कड़े तेवर के साथ बता दी है।

# BJP के 18 विधायक निलंबित

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें दिन भी हंगामा हुआ। कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा के विधायकों ने हंगामा किया। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र महतो ने भाजपा के 18 विधायकों को मानसून सत्र से 2 दिन के लिए निलंबित कर दिया है। 2 अगस्त दोपहर 2 बजे तक के लिए विधायकों को सस्पेंड किया गया है। इनमें विरंची नारायण, अनंत ओझा, रणधीर सिंह, नवीन जायसवाल, नारायण दास, केदार हाजरा, किशुन दास, सीपी सिंह, अमित मंडल, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, शशिभूषण मेहता, अलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, नीरा यादव, अपर्णा सेनगुप्ता, राज सिन्हा, समरी लाल शामिल हैं। स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने भाजपा के 22 में से इन 18 विधायकों को सदन के अनुरूप आचरण नहीं करने, सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने और अवमानना के आरोपों में निलंबित किया है।

स्पीकर की इस कार्रवाई को नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने लोकतंत्र की हत्या बताया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के विधायक सुदिव्य सोनु के कहने पर स्पीकर ने अमर्यादित तरीके से भाजपा के सभी सदस्यों को सस्पेंड किया है। निलंबित होने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने सरकार के इशारे पर ये काम किया है। ये सरकार निरंकुश हो चुकी है। पहले पत्रकारों को सदन में आने से रोका।

v'kk

## शकरपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने निकाला कैंडल मार्च

दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम की लापरवाही से राजेंद्र नगर के यूपीएससी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने के कारण जान गंवाने वाले विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि देने के लिए देवेन्द्र यादव अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार शकरपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह, हरीश गोला, जवाहर धवन, पिंकी साहनी, अशोक शर्मा सहित अनेक कांग्रेस कार्यकताओं ने कैंडल मार्च शकरपुर मेन मार्केट द्वार से संजय पार्क सब्जी मंडी तक निकाला।

# उद्धव ठाकरे की फडणवीस को चुनौती

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता और मौजूदा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ठाकरे ने कहा कि या तो आप वहां नहीं रहेंगे या मैं वहां नहीं रहूंगा। मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने उन्हें बताया था कि कैसे फणडवीस ने उन्हें और उनके बेटे आदित्य ठाकरे को जेल में डालने की साजिश रची थी।

उद्धव ने कहा कि वह सभी बाधाओं को झेलकर भाजपा नेता के सामने मजबूती से खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनिल देशमुख ने बताया कि कैसे फड़णवीस ने मुझे और आदित्य को जेल में डालने की साजिश रची थी। सब कुछ सहने के बाद, मैं पूरी ताकत के साथ खड़ा हूं। या तो आप (फडणवीस) होंगे या मैं वहां रहूंगा। इसके अलावा, उद्धव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि कैसे अन्य नेताओं ने उन्हें भाजपा के शीर्ष नेता के खिलाफ बोलने से परहेज करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह व्यक्त करेंगे कि भगवा पार्टी ने राज्य में क्या किया है। यूबीटी नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा ने राज्य को लूट लिया है और कहा कि वह उन्हें ऐसा ही जारी नहीं रहने देंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा के लिए प्रचार करने के लिए महाराष्ट्र आने की चुनौती दी। हाल के लोकसभा चुनावों के दौरान महाराष्ट्र में मोदी को पसीना बहाना पड़ा, ठाकरे ने विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) द्वारा किए गए अभियान का जिक्र करते हुए कहा, जिसमें उनकी पार्टी कांग्रेस और राकांपा (सपा) के साथ एक घटक है। उन्होंने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "मोदी को विधानसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र आना चाहिए।" उद्धव ने भाजपा नेताओं को आगाह किया कि वे महाराष्ट्र को पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश या कर्नाटक के साथ न समझें और कहा कि यह राज्य छत्रपति शिवाजी महाराज का है।

इस बीच, आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने आरोप लगाया कि उद्धव ने फणनवीस के खिलाफ उन्हें जेल में डालने की साजिश रची थी। साथ ही, बावनकुले ने यूबीटी नेताओं को प्रधानमंत्री के खिलाफ कठोर शब्दों का इस्तेमाल न करने की चेतावनी दी। उद्धव ठाकरे ने देवेन्द्र फडणवीस की पीठ में छुरा घोंपा, उन्हें जेल में डालने की पूरी कोशिश की। आज जिस तरह से ठाकरे अहंकारी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, एक बात याद रखें, राज्य की जनता इस अहंकार और घमंड को स्वीकार नहीं करेगी।

# अखिलेश यादव ने हत्या के दोषी पूर्व विधायक को क्षमा किये जाने पर सरकार को घेरा

समाजवादी पार्टी (सपा) के एक नेता की हत्या के मामले में दोषी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा क्षमा और जेल से रिहा किये जाने पर अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि राज्य सरकार पर अपराध के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' तथाकथित नीति को साबित करने का मौका है। प्रयागराज में 13 अगस्त, 1996 को सपा के पूर्व विधायक जवाहर यादव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इस मामले में उदयभान करवरिया, उनके भाई कपिलमुनि करवरिया, भाई सूरजभान करवरिया और एक अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था और चार नवंबर, 2019 को करवरिया को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी। राज्यपाल पटेल द्वारा क्षमा किए जाने के बाद करवारिया को 25 जुलाई को प्रयागराज की नैनी जेल से रिहा कर दिया गया। करवारिया की रिहाई पर यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उप्र भाजपा सरकार के पास अपराध के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की तथाकथित नीति को सच कर दिखाने का मौका है। देखते हैं 'न्याय' के साथ कौन खड़ा होता है।

भाजपाइयों की आपसी राजनीति का खामियाजा कोई तीसरा क्यों भुगते। उन्होंने कहा, जो न सुने बेबस की गुहार, वो नहीं सरकार! जवाहर की पत्नी और प्रतापपुर सीट से सपा विधायक विजमा यादव ने कहा, मेरे पति की 1996 में हत्या कर दी गई थी। 18 साल के संघर्ष के बाद मुझे अदालत से न्याय मिला और आरोपी जेल गए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में पहली बार एके-47 राइफल का इस्तेमाल करने वालों को भाजपा सरकार ने रिहा कर दिया है। विजमा यादव ने कहा, मेरे पति की हत्या हुई। मैं कहना चाहती हूं कि मुझे और मेरे परिवार को भी मारा जा सकता है। सरकार कहती है कि गुंडाराज खत्म हो गया है लेकिन एके-47 से गोलीबारी करने वालों को रिहा किया जा रहा है। राज्यपाल भी मेरी तरह महिला हैं। रिहाई के लिए उन्होंने कहा कि यह उनके अच्छे आचरण के कारण हुआ है। बहुत सारे निर्दोष लोग जेलों में पड़े हैं तो उन्हें भी रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहती हूं कि आप महिलाओं के हितैषी हैं, इसलिए आपको मेरे साथ जो हो रहा है, उस पर भी विचार करना चाहिए।

# मोदी से मिले डीके शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु शहर में परियोजनाओं के लिए समर्थन का आश्वासन दिया है। नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा कि मैंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की क्योंकि केंद्रीय बजट में कर्नाटक के लिए कोई फंडिंग की घोषणा नहीं की गई थी। सिंचाई और जल क्षेत्रों के लिए कोई धनराशि निर्धारित नहीं की गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कुछ भी नहीं दिया गया है, यहाँ तक कि घोषित धनराशि भी। मैंने प्रधानमंत्री से बेंगलुरु शहर में शुरू की जाने वाली नई परियोजनाओं के लिए अनुदान प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक देश में दूसरा सबसे अधिक करदाता है और बेंगलुरु उन करों में सबसे अधिक योगदान देता है। उसके मद्देनजर, मैंने प्रधान मंत्री मोदी से महाराष्ट्र की तर्ज पर कर्नाटक के हितों पर विचार करने के लिए कहा। मैंने सिग्नल-मुक्त कॉरिडोर, फ्लाईओवर के लिए कहा था और प्रधान मंत्री मोदी ने आश्वासन दिया है कि वह उन पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम ने पिछले साल के केंद्रीय बजट में कर्नाटक के लिए घोषित 5,300 करोड़ रुपये के अनुदान के मामले को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में चर्चा के लिए लाने का वादा किया है। उन्होंने यह भी बताया कि वित्त आयोग द्वारा भी राज्य के लिए धनराशि स्वीकृत की गई थी। इससे पहले, पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान, राज्य को कई प्रोत्साहन दिए गए थे जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, हेब्बल (हवाई अड्डा) और बेंगलुरु में नेलमंगला फ्लाईओवर सहित तीन प्रमुख फ्लाईओवर। लेकिन, इस बार कुछ नहीं दिया गया है। शिवकुमार ने कहा मैंने केंद्रीय बजट का हिस्सा बनने के लिए बेंगलुरु में एक सुरंग सड़क का प्रस्ताव दिया है और राज्य भी इसमें अपना वित्त लगाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि वह इसकी जांच करेंगे।

## यूपीएससी की नई अध्यक्ष बनीं प्रीति सूदन

केंद्र सरकार ने प्रीति सूदन को यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया। 1983 बैच की आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव हैं। वे पदभार संभालेंगीं। आंध्र प्रदेश कैडर की अधिकारी सूदन ने महिला एवं बाल विकास, रक्षा मंत्रालय और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव के रूप में भी काम किया है। उन्हें प्रमुख बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और आयुष्मान भारत मिशन में अहम योगदान के लिए जाना जाता है। इसके अलावा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल आयोग और ई-सिगरेट पर प्रतिबंध पर कानून बनाने का क्रेडिट भी उन्हें ही जाता है।

# कर्वी ग्लैम भारत का पहला प्लस साइज ब्यूटी पेजेंट शो

2024- अब आधिकारिक तौर पर भारत की अगली प्लस-साइज ब्यूटी क्वीन की तलाश शुरू हो गई है! हाल ही में, एक अभूतपूर्व प्लस-साइज सौंदर्य प्रतियोगिता, कर्वी ग्लैम के लिए बहुप्रतीक्षित ऑडिशन में 50 उम्मीदवार सफल हुए।

इस अभूतपूर्व एमटीवी कार्यक्रम का लक्ष्य सौंदर्य मानकों को बदलते हुए प्लस-साइज महिलाओं के आत्मविश्वास और सुंदरता का जश्न मनाना है। कर्वी ग्लैम के पास शारीरिक सकारात्मकता और व्यक्तिगत सशक्तिकरण के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र बनने का अवसर है।

आकांक्षा गुप्ता, सौम्या शर्मा और सोनल म्हेंड्रू सहित जजों के एक पैनल ने ग्लैमरस ऑडिशन प्रक्रिया का नेतृत्व किया। फुटवियर पार्टनर हाइप और मेकअप पार्टनर लैक्मे अकादमी एप्टेक ने इस आयोजन की शानदार जीवनशैली में योगदान दिया। इवेंट के पीआर पार्टनर के रूप में, मृग साइट मीडिया ने सुनिश्चित किया कि मीडिया इस पर पूरा ध्यान दे।

निर्देशक विनायक शर्मा ने कहा, "कर्वी ग्लैम ऑडिशन को मिली अद्भुत प्रतिक्रिया ने हमें आश्चर्यचकित कर दिया है।" "प्रतियोगियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास ने वास्तव में मुझे प्रेरित किया। हम दुनिया को उनके कारनामों और कहानियों के बारे में बताने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

प्रोजेक्ट हेड आकांक्षा गुप्ता ने कहा, "कर्वी ग्लैम सिर्फ एक सौंदर्य प्रतियोगिता से कहीं अधिक है; यह एक आंदोलन है जो मतभेदों को बढ़ावा देगा और सभी प्रकार के शरीर का जश्न मनाएगा।" हम महिलाओं को चमकने के लिए एक मंच देने के लिए समर्पित हैं क्योंकि हमारा मानना है कि सभी महिलाएं सुंदर हैं।

निमार्ता दीपांशु चौधरी और सोमव्या शर्मा ने अपनी भूमिका के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "हम इस तरह की महत्वपूर्ण गतिविधि का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। कर्वी ग्लैम सुंदरता की परिभाषा को बदलने जा रहा है और कई महिलाओं को अपनी असलियत से प्यार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।" .

अद्भुत प्रतिभागियों, उनकी प्रेरक कहानियों और सुंदरता के सभी रूपों के अंतिम उत्सव से प्रभावित होने के लिए तैयार हो जाइए। कर्वी ग्लैम सौंदर्य प्रतियोगिता के परिदृश्य को हिला देने और मनोरंजन और फैशन क्षेत्रों पर लंबे समय तक प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

कठिन ऑडिशन प्रक्रिया के बाद चुने गए पचास फाइनलिस्टों की एक अनोखी कहानी है। शारीरिक छवि के साथ चुनौतियों पर काबू पाने से लेकर सांस्कृतिक मानकों को चुनौती देने तक, प्रत्येक प्रतिभागी की यात्रा लचीलापन और आत्म-प्रेम दिखाती है। चूँकि वे नए सौंदर्य मानक स्थापित करने और स्वतंत्रता का जश्न मनाने का बीड़ा उठा रहे हैं, उनके अनुभवों को दर्शकों को प्रेरित और सशक्त बनाना चाहिए। इन उल्लेखनीय महिलाओं में कर्वी ग्लैम पर अपनी प्रेरणादायक कहानियाँ साझा करके दूसरों को भी उसी रास्ते पर प्रेरित करने की क्षमता है।

# वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का 39वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

॥ एन अरूण कुमार ॥

वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT), वेल्लोर ने 2 अगस्त, 2024 को अपना 39वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी फोरम (NETF), राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (NBA), कार्यकारी समिति-राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे मुख्य अतिथि थे। एसोचैम कर्नाटक राज्य विकास परिषद के अध्यक्ष और टोयोटा इंडस्ट्रीज इंजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी सलाहकार टी.आर. परशुरामन मुख्य अतिथि थे, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT) के संस्थापक और कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। अपने दीक्षांत भाषण में प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे ने युवा स्नातकों को निरंतर सीखने और अपनी रोजगार क्षमता में सुधार करने का प्रयास करने का आह्वान किया। प्रो. सहस्रबुद्धे ने कहा कि बहुआयामी बनना, कौशल हासिल करना और सही दृष्टिकोण विकसित करना उनके करियर की संभावनाओं और विकास में मदद करेगा।

वीआईटी के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन और डॉ. जी वी सेल्वम और सहायक उपाध्यक्ष सुश्री कधंबरी एस. विश्वनाथन, वीआईटी के कुलपति प्रो. कंचना भास्करन वी.एस., वीआईटी के प्रो-वाइस चांसलर (वेल्लोर परिसर), प्रो. पार्थ शरथी मलिक, वीआईटी के प्रो-वाइस चांसलर (चेन्नई परिसर), प्रो. त्यागराजन टी और वीआईटी के रजिस्ट्रार डॉ. टी. जयाबरथी ने भी दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया।

एसोचैम कर्नाटक राज्य विकास परिषद के अध्यक्ष और टोयोटा इंडस्ट्रीज इंजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी सलाहकार टी.आर. परशुरामन ने कहा कि कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है और असफलताओं से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, "किसी के विकास के लिए दृष्टिकोण, ज्ञान और कौशल महत्वपूर्ण हैं।" वीआईटी के संस्थापक और कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने शिक्षा परिदृश्य को और बेहतर बनाने में शैक्षणिक संस्थानों, सरकार और निजी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "ग्रामीण, गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति देकर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथ ही, उच्च शिक्षा और शोध पर खर्च बढ़ाया जाना चाहिए।" उन्होंने ग्रामीण, गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने में वीआईटी की भूमिका पर प्रकाश डाला। कुल 8,205 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों और 357 पीएचडी स्नातकों को डिग्री प्रदान की गई और 65 उम्मीदवारों को स्वर्ण पदक दिए गए।

# बारिश में टपकने लगी नई संसद की छत! अखिलेश ने ली चुटकी

॥ विनीता यादव ॥

विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ भाजपा पर कटाक्ष किया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि नए संसद भवन की छत से टपकने वाले पानी को इकट्ठा करने के लिए इसके केंद्र में एक बाल्टी रखी गई थी। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस पेश किया, जिसमें उन्होंने भारी बारिश के कारण लॉबी के अंदर कथित तौर पर पानी के रिसाव का एक वीडियो साझा करने के बाद संसद भवन के निरीक्षण के लिए एक विशेष समिति के गठन का प्रस्ताव रखा।

अपने नोटिस में, टैगोर ने कहा कि वह "नए संसद भवन में प्रवेश करते समय हमारे भारत के राष्ट्रपति द्वारा उपयोग किए जाने वाले रास्ते पर संसद लॉबी के अंदर पानी के रिसाव" का मुद्दा उठाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि यह घटना इमारत के पूरा होने के ठीक एक साल बाद मौसम के लचीलेपन के साथ संभावित मुद्दों पर प्रकाश डालती है। टैगोर ने कहा कि बाहर पेपर लीक हो गया, अंदर पानी का रिसाव।

राष्ट्रपति द्वारा उपयोग की जाने वाली संसद लॉबी में हाल ही में पानी का रिसाव, पूरा होने के ठीक एक साल बाद, नए भवन में तत्काल मौसम लचीलेपन के मुद्दों को उजागर करता है। इस मुद्दे पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव ला रहे हैं।

विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहाँ पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें, कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार में बनी हर नई छत से पानी टपकना, उनकी सोच-समझकर बनायी गयी डिजाइन का हिस्सा होता है या फिर। AAP, ने नए संसद भवन में बाल्टी की तस्वीर ट्वीट की। कैप्शन में लिखा है: "1200 करोड़ रुपये से बनी नई संसद को आखिरकार 120 रुपये की बाल्टी पर निर्भर रहना पड़ रहा है।"

राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के कारण अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। शहर के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए और गाजीपुर में 22 वर्षीय एक महिला और उसका बच्चा डूब गया। प्रमुख इलाकों में यातायात जाम हो गया और सड़कें नदियों जैसी दिखने लगीं, जिससे लोग जहां-तहां फंस गए। मूसलाधार बारिश के कारण मौसम विभाग ने राष्ट्रीय बाढ़ दिशानिर्देश बुलेटिन में दिल्ली को 'चिंता वाले क्षेत्रों' की सूची में शामिल किया। विभाग ने लोगों को घरों के अंदर ही रहने, खिड़कियों और दरवाजों को सुरक्षित रखने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

## बागपत में हुआ द ब्रैक पाइंट के स्वीट व फास्ट फूड़ रेस्टोरेंट का शुभारम्भ

॥ विवेक जैन ॥

बागपत शहर में कोर्ट रोड़ दैनिक जागरण कार्यालय के नीचे द ब्रैक पाइंट के स्वीट व फास्ट फूड़ रेस्टोरेंट का शुभारम्भ हुआ, जिसमें बागपत शहर की जानी-मानी मानी हस्तियों ने शिरकत की। बागपत नगर पालिका के चेयरमैन एडवोकेट राजूदीन के पुत्र व प्रमुख समाजसेवी एड़वोकेट समीर मलिक व व्यापारी नेता नंदलाल डोगरा ने फीता काटकर विधिवत रूप से रेस्टोरेंट का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर रेस्टोरेंट के स्वामी व प्रमुख समाजसेवी नईम राणा ने आये अतिथियों का फूल माला व चादर पहनाकर स्वागत किया।

नईम राणा ने बताया कि उनके फास्ट फूड़ में वैज चाउमीन, पनीर चाउमीन, सिंगापुरी चाउमीन, अक्खा चाउमीन, चिल्ली पनीर, फ्रेंच फ्राई, मोमोज फ्राई, मोमोज स्टीम, मंचूरियन, वैज बर्गर, पनीर बर्गर, स्प्रिंग रोल, चिली पटेटो, चिली पनीर, ममोज पनीर, फ्राई बर्गर, पास्ता, सेंड़ विच, पाव भाजी, गारगिल ब्रैड़, पिज्जा, पेटिज, समोसा, गोल गप्पे, दही बल्ले, आलू टिक्की, छोले भटूरे, आलू पूरी, ढोकला आदि की बेहतरीन क्वालिटी मौजूद है।

बताया कि उनकी स्वीटस काजू बर्फी, केसर बर्फी, पिस्ता बर्फी, बिकानेरी बर्फी, दूध बर्फी, डोडा बर्फी, चाकलेट बर्फी, बर्फी बीकानेरी, गोंद बर्फी, बालूशाही, घिया की लौज, बतीशा, बंगाली रसगुल्ला, मिल्क केक, स्पेशल पेड़ा, चना पेड़ा, रसगुल्ले, गुलाब जामुन, छेना टोस्ट, बेसन लडडू, गोंद लडडू, राजभोग, छेना टोस, केसर टिक्की, चमचम, स्पंज, चने का पेड़ा, बूंदी व बेसन लडडू, गाजर का हलवा, अंगूरी पेठा, सादा पेठा, केसर घेवर, घेवर मलाई, सादा घेवर, रस मलाई, चन्द्रकला, मीठा समोसा, गुंजिया, को खरीदने जनपदभर से लोग आते है। इस अवसर पर सुरेन्द्र चौहान, मंगली, जोनी शर्मा, पुष्पेन्द्र, बब्लू पंड़ित, विपुल जैन, राजू चौहान, लवी जैन, अहतेश्याम, डाक्टर योगेश तोमर, दिनेश चौहान, यासीन सलमानी सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

## गीता भवन में बर्फ से बने शिवलिंग आकर्षण का केंद्र

सावन के हर मंदिर में भक्तों की खूब भीड़ रहती है पर सबसे ज्यादा आकर्षण रहा नई दिल्ली के गीता भवन में बर्फ से बने शिवलिंग को जहां दूर - दूर से लोग इसे देखने आ आते हैं क्योंकि यहां के शिवलिंग का आकर्षण ही ऐसा है जो सबको मंत्र मुग्ध कर देता है। मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित नीरज शर्मा ने बताया कि हर साल सावन पर हर सोमवार अलग - अलग रंगों में बर्फ से विशाल शिवलिंग बनाया जाता है इस अवसर पर डॉक्टर अजय चौधरी डॉक्टर गौतम खटक, सुश्री नूतन, जयसिंह, जे पी तिवारी युवा पुजारी गौरव शर्मा, श्रेष्ठ ,तथा मीडिया प्रभारी सुनील पराशर सहित सैकड़ों भक्तों ने शिव जी के इस रूप के दर्शन किए। सुनील पराशर ने कहा कि भगवान शिव अपने चाहने वाले को दर्शन के लिए बुला ही लेते हैं। यहां ऐसी मान्यता है जो हर सोमवार सावन में यहां आता है उसकी मनोकामना पूरी होती है। नीरज शर्मा, गौरव पुजारी ने बताया कि भगवान का भोग लगा विशाल भंडारा भी लगता है जो हर आने वाले को प्रशाद के रूप में दिया जाता है। डॉक्टर अजय चौधरी, डॉक्टर गौतम ने कहा हम हमेशा सपरिवार अपने दोस्तों के साथ आकर दर्शन करते है हम पर शिव जी का बहुत आशीर्वाद हमें मिलता है

## राज्यसभा से इस्तीफा देने के बाद ममता मोहंता ने बीजद छोड़ी

राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद ममता मोहंता ने अपनी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) क प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे दिया। मोहंता ने बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक को लिखे अपने त्यागपत्र में कहा कि उन्हें महसूस हो रहा है कि पार्टी में उनकी और उनके समुदाय की सेवा की कोई आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा, मैं मयूरभंज के लोगों की सेवा करने और ओडिशा के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का अवसर देने के लिए आपका आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा कि वह बीजद की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हैं।

मोहंता के इस्तीफे के साथ ही राज्यसभा में बीजद सदस्यों की संख्या घटकर आठ रह गई है। लोकसभा में बीजद का कोई सदस्य नहीं है।

# 25 से घटाकर 21 साल करें चुनाव लड़ने की उम्रः राघव चड्ढा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

राज्यसभा में आप सांसद राघव चड्ढा ने भारत में चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल की जाने की मांग की। अपने बयान में राघव ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी 65% आबादी 35 साल से कम उम्र की है और हमारी 50% आबादी 25 साल से कम उम्र की है। युवा नेता ने यह भी कहा कि आजादी के बाद जब पहली लोकसभा चुनी गई तो 26% सदस्य 40 साल से कम उम्र के थे और जब 2 महीने पहले हमारी 17वीं लोकसभा चुनी गई तो केवल 12% सदस्य 40 साल से कम उम्र के थे।

राघव चड्ढा ने आगे कहा कि हम बूढ़े राजनेताओं वाला एक युवा देश हैं, हमें युवा राजनेताओं वाला एक युवा देश बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा भारत सरकार को एक सुझाव है कि चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष की जानी चाहिए। इससे पहले 2023 में एक संसदीय समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु कम करने की वकालत करते हुए कहा कि इससे युवाओं को लोकतंत्र में शामिल होने के समान अवसर मिलेंगे।

मौजूदा कानूनी ढांचे के मुताबिक, लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए व्यक्ति की उम्र कम से कम 25 साल होनी चाहिए। राज्यसभा और राज्य विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु 30 वर्ष है। वर्तमान में, जिस उम्र में कोई व्यक्ति मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकता है वह 18 वर्ष है। 'राष्ट्रीय चुनावों' या लोकसभा चुनावों के लिए, इसने विशेष रूप से चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु को वर्तमान 25 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने की सिफारिश की।

कानून और कार्मिक संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने कहा था कि कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया जैसे विभिन्न देशों की प्रथाओं की जांच करने के बाद, समिति का मानना है कि राष्ट्रीय चुनावों में उम्मीदवारी के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। इन देशों के उदाहरण दशार्ते हैं कि युवा व्यक्ति विश्वसनीय और जिम्मेदार राजनीतिक भागीदार हो सकते हैं।

फोटो : जगन नेगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह के दौरान वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह के साथ।

एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले व अन्य विशिष्ट गणमान्यजनों की उपस्थिति में हिंदवी स्वराज स्थापना महोत्सव आयोजन समिति, दिल्ली, श्री शिवाजी रायगढ़ स्मारक मंडल, पुणे एवं श्रीभारती प्रकाशन नागपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विभिन्न पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम में समाजसेवी आशीष मेहरोत्रा भी सम्मिलित हुए।

# दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी संगठनः रक्तदान शिविर दंत जांच शिविर का आयोजन

॥ राकेश जाखेटिया ॥

रक्तदान शिविर एवं दंत जांच शिविर का आयोजन गत दिनों दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी संगठन के तत्वाधान में AIIMS के सहयोग से दीनबंधु सर छोटू राम धर्मशाला केशवपुरम मेट्रो स्टेशन के निकट दिल्ली में आयोजित किया। इसमें 135 रक्तवीरो ने रक्तदान किया। दांतों की जांच के लिए डॉक्टर सुहानी माहेश्वरी का प्रमुख योगदान रहा। प्रदेशाध्यक्ष जगदीश बागडी, कोषाध्यक्ष, विमल मूंदड़ा, उपाध्यक्ष घनश्याम बाहेती, आनंद जाजू, संयुक्त मंत्री विमल मुंदड़ा वासुदेवा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन हुआ! कार्यसमिति सदस्य महासभा महेश रांदड, उत्तरांचल संयुक्तमंत्री ओम तापड़िया, मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक जी झंवर, प्रदेश महिला संगठन कि अध्यक्षा श्रीमती श्यामा जी भांगाड़ियां, पूर्वी जिला के मंत्री विमल चांडक, उत्तरी पश्चिमी जिला अध्यक्ष अनिल गगरानी , मंत्री राजीव , प्रभात केला, अशोक करनानी , विकास माहेश्वरी (बॉबी), अंशुल माहेश्वरी , किशोर बाहेती आदि ने उपस्थिति होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई!

# सावन की शिवरात्रि

झण्डेवाला देवी मन्दिर में सावन मास की शिवरात्रि पर भगवान शंकर का विशेष रूद्राभिषेक किया गया।

शिवरात्रि होने के कारण कावडियों द्वारा गंगा जल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। कांवड़ियों के जलाभिषेक के लिये विशेष प्रबंध किये गये थे। वैसे बहुत कम कावडिये गंगाजल चढाने झंडेवाला मंदिर में आते हैं किन्तु इस बार जो भी जल चढाने आऐ उन से आदर पूर्वक जल चढवा कर मंदिर की ओर से प्रसाद दिया गया।

सावन मास के पहले सोमवार 22.7.24 से 19.8.24 अंतिम सोमवार तक प्रति दिन पांच रुद्राभिषेक किए जा रहे हैं लेकिन सोमवार को भगवान शंकर का दिन माना जाता है इसलिये सोमवार का सावन में विशेष महत्व है। भगवान शंकर भक्तों की सब मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

जंतर मंतर पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की और से महिला आरक्षण को लागू करने, मंहगाई, एवम महिला सुरक्षा, की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया जिसमें अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्षा श्रीमती अलका लाम्बा के नेतृत्व में देश भर से आई महिलाओं ने हिस्सा लिया दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा सिंह के साथ दिल्ली की महिला कांग्रेस की पदाधिकारी भी शामिल हुई जिसमें सुनीता धवन, प्रियंका अग्रवाल, पिंकी साहनी,सुनीता गौतम, सुनीता राणा, ममता तिवारी, प्रेम मिश्रा

# प्रेमचंद जयंती संगोष्ठीः वर्तमान समय में प्रेमचंद की प्रासंगिता

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हिन्दी अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रसिद्ध साहित्यकार प्रेमचंद जी की जयंती के अवसर पर "वर्तमान समय में प्रेमचंद की प्रासंगिकता" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन त्रिवेणी सभागार, तानसेन मार्ग, मंडी हाउस में किया गया। इस अवसर पर अकादमी द्वारा प्रेमचंद कृत 'निर्मला' उपन्यास के नाट्य रूपान्तरण का पुस्तक रूप में विमोचन किया गया। रूपान्तरकार हैं प्रसिद्ध नाट्यकर्मी एवं अभिनेता सुरेंद्र शर्मा। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्ति और साहित्य-प्रेमी व्यक्ति उपस्थित थे।

संगोष्ठी की अध्यक्षता श्रीमती ममता कालिया ने की। कार्यक्रम में डॉ. कुमुद शर्मा मुख्य अतिथि थीं। अंशु कुमार चौधरी ने प्रेमचंद के बाल-साहित्य पर केंद्रित अपने वक्तव्य में कहा कि प्रेमचंद का बाल-साहित्य बच्चों की मानवीय संवेदनाओं के साथ-साथ सामाजिक आचार-विचार, न्याय-अन्याय और उचित-अनुचित का संदेश देता है। नैतिक अवमूल्यन के इस दौर में प्रेमचंद के बाल-साहित्य की आवश्यकता और भी बढ़ गई है।

उपन्यासकार डॉ. अजय नावरिया ने वर्तमान समय में प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता को बताते हुए स्त्री, दलित और युवा वर्ग की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। यह भी कहा

की भारत की स्वतंत्रता के बाद आज तो भारतीय संविधान भी है, उसके बावजूद सौ साल पहले लिखे प्रेमचंद के साहित्य में जो भी सामाजिक समस्याएं व्याप्त हैं आज भी बरकरार हैं इसलिए वे आज भी प्रासंगिक हैं। उनके साहित्य में उपेक्षित वर्गों की परेशानियों का सजीव चित्रण देखने को मिलता है।

कवि, आलोचक एवं कहानिकार डॉ. जितेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि प्रासंगिकता का अर्थ निरंतरता से भी होता है। प्रेमचंद भारतीय नवजागरण की बड़ी उपलब्धि हैं। वे पहले ऐसे रचनाकार हैं जिन्होंने अपने साहित्य में बेटी के सम्पत्ति के अधिकार की बात कही। उनके साहित्य में समाज और राष्ट्रीय मूल्य जुड़े हुए दिखाई देते हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. कुमुद शर्मा ने प्रेमचंद के पत्रकार पक्ष पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे पहले पत्रकार थे बाद में कथा लेखक-पत्रकारिता उनका महत्वपूर्ण पक्ष है, उनका यही पक्ष उपेक्षित हुआ है। उनके संपादकीय लेख और टिप्पणीयों का फलक बहुत व्यापक है, जिस पर चर्चा की जानी चाहिए। वे स्वाधीनता आंदोलन के प्रतिनिधि पत्रकार थे। यथार्थवादी परम्परा की नींव डालने वाले वे पहले रचनाकार हैं।

संगोष्ठी की अध्यक्ष सुप्रसिद्ध कहानीकार ममता कालिया ने कहा कि साहित्य भौतिक कुछ नहीं देता परन्तु विचार जरूर देता है और विचारों के बल पर ही हम सफल होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद जीवन से सटकर चलने वाले साहित्यकार थे। उनका साहित्य शिक्षाप्रद है। प्रेमचंद की सार्वभौमिकता और सर्वसुलभता सभी पाठकों को प्रभावित करती है। उनके साहित्य को पढ़कर जीना आता है। हिन्दी अकादमी, दिल्ली के सचिव संजय कुमार गर्ग ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक-सांस्कृतिक दस्तावेज है। आदर्शोनमुख यथार्थवाद उनके साहित्य की मुख्य विशेषता है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

ये तो हम सभी जानते हैं कि श्रीगणेश एकदन्त हैं, अर्थात उनका एक दांत टूटा हुआ है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि आखिर क्यों श्रीगणेश का एक दांत टूट गया? इस विषय में हमें पुराणों में कई वर्णन मिलता है। इनमें से कुछ कथाएं सुनी हुई हैं किन्तु कुछ ऐसी भी है जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

श्रीगणेश के दांत टूटने के पीछे जो सबसे प्रसिद्ध कथा है वो है उनका भगवान परशुराम से युद्ध। इस कथा का वर्णन हमें गणेश पुराण में मिलता है। कथा के अनुसार जब परशुराम जी ने कर्त्यवीर्य अर्जुन का वध किया तो उसके बाद वे महादेव के दर्शन हेतु कैलाश आये। सहस्त्रार्जुन का वध करने के कारण उस समय तक भी परशुराम जी के मन में बहुत क्रोध था।

जब वे महादेव और माता के दर्शनों को कैलाश पहुंचे तो उस समय दोनों अपने कक्ष में थे और कक्ष के बाहर श्रीगणेश द्वारपाल के रूप में खड़े थे। तब परशुराम जी ने श्रीगणेश से भोलेनाथ को उनके आगमन की सूचना देने को कहा किन्तु श्रीगणेश ने उनसे दोनों के विश्राम तक प्रतीक्षा करने को कहा। परशुराम जी ने बार बार आग्रह किया किन्तु श्रीगणेश नहीं माने।

तब गणपति के इस हाथ से जामदग्नेय का क्रोध बढ़ गया और उन दोनों में घोर युद्ध होने लगा। दोनों बहुत देर भांति-भांति के अस्त्र-शस्त्रों से युद्ध करते रहे किन्तु युद्ध का कोई परिणाम नहीं निकला। अंत में कोई और उपाय ना देख कर परशुराम जी ने श्रीगणेश पर अपना अमोघ परशु चला दिया। चूँकि उन्हें वो परशु स्वयं महादेव ने दिया था इसीलिए श्रीगणेश ने उसका कोई विरोध नहीं किया और उसके प्रहार से उनका एक दांत टूट गया।

उधर कोलाहल बढ़ते देख कर माता और महादेव कक्ष से बाहर आये। जब माता ने श्रीगणेश को आहत देखा तो उनके क्रोध का ठिकाना ना रहा। उधर श्रीगणेश की ऐसी दशा देखकर और माता का क्रोध बढ़ता देख कर परशुराम जी को भी अपनी भूल का भान हुआ और उन्होंने माता से बार-बार क्षमा मांगी। तब महादेव ने माता से उन्हें क्षमा कर देने को कहा क्यूंकि वो भी उनके पुत्र समान ही थे। क्षमादान पाने के बाद परशुराम जी ने प्रसन्न होकर श्रीगणेश को "एकदन्त" नाम दिया। साथ ही उन्होंने अपनी समस्त युद्ध विद्या भी उन्हें प्रदान की।

इस कथा के अतिरिक्त जो सबसे प्रसिद्ध कथा है वो महाभारत से जुडी हुई है। ये तो हम सभी जानते हैं कि महाभारत की रचना महर्षि वेदव्यास ने की थी किन्तु उसे लिखा था श्रीगणेश ने। जब ब्रह्माजी की आज्ञा और महर्षि वेदव्यास की प्रार्थना पर श्रीगणेश महाभारत को लिखने के लिए तैयार हुए तो उन्होंने एक शर्त रख दी कि एक बार उन्होंने लिखना आरम्भ किया तो वे ग्रन्थ के समाप्त होने तक रुकेंगे नहीं। यदि महर्षि व्यास के श्लोक समाप्त हुए तो वे ग्रन्थ वहीँ रोक देंगे। तब महर्षि वेदव्यास ने भी एक शर्त रख दी कि वे श्लोकों को पूरी तरह समझने के बाद ही लिखें।

अब महाभारत की अनवरत लेखनी आरम्भ हुई। किन्तु श्रीगणेश की लिखने की गति इतनी अधिक थी कि बार-बार कलम टूट जाती थी। इससे उनके द्वारा लगाए शर्त में ही व्यवधान उत्पन्न होने लगा। इस बार बार की दिक्कत से बचने के लिए श्रीगणेश ने स्वयं अपना एक दन्त तोड़ लिया और फिर उसी से सम्पूर्ण महाभारत की लेखनी संपन्न हुई।

इस विषय में एक कथा हमें भविष्य पुराण में भी मिलती है। उसके अनुसार एक बार भगवान कार्तिकेय स्त्री और पुरुषों के उत्तम लक्षणों पर एक ग्रन्थ लिख रहे थे। उस समय खेल-खेल में श्रीगणेश अपने बड़े भाई को बार-बार परेशान करने लगे जिससे उनकी एकाग्रता भंग होने लगी।

तब चिढ कर कार्तिकेय जी ने श्रीगणेश का एक दांत तोड़ दिया। जब महादेव को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने उस दांत को श्रीगणेश को लौटाने को कहा। तब कार्तिकेय जी ने उन्हें वो दांत तो लौटा दिया किन्तु एक शर्त भी रख दी कि उन्हें सदैव उस दांत को अपने साथ रखना होगा। तभी से श्रीगणेश अपने एक हाथ में वो दांत धारण करने लगे। आपने भी गणेश जी की मूर्ति में उन्हें अपना एक दांत पकडे अवश्य देखा होगा। कालांतर में उसी दांत से श्रीगणेश ने महाभारत महाकाव्य को पूर्ण किया था। इस सन्दर्भ में हमें एक कथा श्रीगणेश और चंद्रदेव की भी मिलती है। कथा के अनुसार एक बार श्रीगणेश भोजन कर अपने वाहन मूषक पर कैलाश भ्रमण को निकले। मूषक तीव्र गति से जा रहा था कि मार्ग में एक सर्प आ गया। उसे देख कर मूषक डर गया और अचानक ही रुक गया। इसपर श्रीगणेश अपने वाहन से नीचे आ गिरे। ये देख कर स्वर्ग से चन्द्र देव जोर जोर से हंसने लगे।

उधर जब श्रीगणेश सम्भले तो सबसे पहले तो उन्होंने उस सर्प को एक कमरधनी की भांति अपने कमर पर बांध लिया। फिर चंद्रदेव को हँसते देख कर उन्होंने क्रोध में आकर अपना एक दांत तोडा और उससे चंद्र पर प्रहार किया। उसी प्रहार से चंद्रदेव पर कलंक पड़ गया। वास्तव में चंद्र को अपनी सुंदरता पर बड़ा घमंड था। उसी को तोड़ने के लिए श्रीगणेश ने उन्हें कांतिहीन हो जाने का श्राप भी दिया। बाद में महादेव की कृपा से चंद्र को उस श्राप से मुक्ति मिली।

# गणेश जी को नहीं चढ़ाते हैं तुलसी

## पौराणिक कथा का महत्व जानें

किसी भी शुभ या मांगलिक कार्य से पहले भगवान गणेश की वंदना की जाती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। हर पूजा-पाठ में सबसे पहले इनका आवाहन किया जाता है, ताकि कार्य निर्विघ्न पूरा हो सके। पौराणिक मान्यता यह भी है कि भगवान शिव और भगवान विष्णु जी ने भी अपने कार्य पूरा करने के लिए पहले इनकी पूजा की। भगवान गणेश की पूजा में उन्हें कई प्रकार के मोदकों का भोग लगाया जाता है। इसके साथ ही उन्हें लाल फूल और सिंदूर अर्पित किया जाता है। लेकिन उन्हें तुलसी अर्पित नहीं की जाती है। आइए जानते हैं कि आखिर भगवान गणेश को तुलसी क्यों नहीं चढ़ाई जाती है। साथ ही इसके पीछे की पौराणिक कथा।

### गणेश जी की पूजा में तुलसी क्यों है वर्जित

गणेश जी की पूजा में तुलसी नहीं चढ़ाने के पीछे पौराणिक कथा का जिक्र शास्त्रों में किया गया है। इस कथा के अनुसार, एक बार भगवान गणेश समुद्र के किनारे तपस्या कर रहे थे। तभी वहां तुलसी नामक एक कन्या अपने विवाह के लिए पहुंची। गणेश जी के गले में चंदन, हार समेत कई रत्न मौजूद थे। जिसमें वे काफी मनमोहक लग रहे थे। जिस वजह से तुलसी का मन गणेश जी के प्रति आकर्षित हो गया। जिसके बाद तुलसी ने भगवान गणेश को तपस्या के बीच में ही विवाह करने का प्रस्ताव दिया। तपस्या भंग होने के कारण गणेश जी क्रोधित हो गए। जिसके बाद उन्होंने तुलसी से विवाह का प्रस्ताव ठुकरा दिया। साथ ही भगवान गणेश ने तुलसी को श्राप दिया कि उसके दो विवाह होंगे। इसके अलावा भगवान गणेश जी ने तुलसी का विवाह राक्षस से होने का श्राप दे दिया। जिसके बाद तुलसी ने गणेश जी से मांफी मांगी।

भगवान गणेश ने तुलसी से कहा कि उसका विवाह शंखचूर्ण नामक राक्षस से होगा। वह एक पौधे का रूप धारण करेगी। कलयुग में वह जीवन और मोक्ष का कारण बनेगी। लेकिन उनकी पूजा में तुलसी का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। मान्यता है इसी कारण से गणेश जी की पूजा में तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता है। भगवान गणेश को तुलसी नहीं चढ़ाई जाती है।

*संकलन: ज्योति राठौर*

## राशिफल साप्ताहिक

04 से 10 अगस्त 2024

**मेष:** मेष राशि वालों के लिए यह सप्ताह विचारों में बदलाव और आध्यात्मिकता की ओर झुकाव लेकर आएगा। इस सप्ताह आप कुछ सामाजिक मुद्दों में दिलचस्पी लेंगे। इसके साथ ही समाज में सुधार लाने के लिए, चैरिटी और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे।

**वृषभ:** वृषभ राशि वाले इस सप्ताह में वित्तीय लाभ का अनुभव कर सकते हैं। इस सप्ताह आपको जीवन में शारीरिक और भौतिक सुखों का आनंद मिलेगा। इसके साथ ही किसी अंजा स्त्रोत से अप्रत्याशित वित्तीय लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। यह आपकी आर्थिक स्थिति के लिए बहुत फायदेमंद रहेगा।

**मिथुन:** मिथुन राशि वाले इस सप्ताह में अपनी पर्सनल लाइफ और अपने बिजनेस पार्टनरशिप में सकारात्मक बदलाव देखेंगे। इस सप्ताह आपकी पर्सनैलिटी में ज्यादा अट्रैक्टिव हो जाएगी। आपकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। आप अपनी इच्छाओं और अन्य लोगों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाकर रखेंगे।

**कर्क:** कर्क राशि वालों के लिए यह सप्ताह काम के माहौल में सकारात्मकता और अच्छी सेहत लेकर आएगा। इस सप्ताह आपका पॉजिटिव मूड सभी के लिए एक अच्छा माहौल बनाएगा। इस तरह आपके साथ-साथ आसपास के लोगों का भी मूड अच्छा हो जाएगा। काम पर आप एक अच्छे माहौल का अनुभव करेंगे और अपने कार्यक्षेत्र को अधिक आरामदायक बनाने के लिए कुछ छोटे-मोटे बदलाव करेंगे।

**सिंह:** सिंह राशि वालों के लिए, यह सप्ताह अच्छा वित्तीय लाभ और रोमांस की इच्छा लेकर आएगा। इस सप्ताह आप अपने व्यवहार में आशावादी और आत्मविश्वासी हो जाएंगे। आप अपने सामाजिक जीवन, करियर और निवेशों में अधिक जोखिम लेने के बारे में सोच सकते हैं।

**कन्या:** कन्या राशि वालों के लिए, यह सप्ताह अच्छा पारिवारिक माहौल और विद्यार्थियों के लिए अनुकूल अवधि लेकर आ सकता है। आपका पूरा ध्यान अपने घर और परिवार पर होगा। आप अपने घर को सजाने और सुंदर बनाने का प्रयास कर सकते हैं।

**तुला:** तुला राशि वालों के लिए, यह सप्ताह अच्छी नेटवर्किंग और भाई-बहनों के साथ मजेदार समय लेकर आएगा। इस सप्ताह आप बहुत बातचीत करने वाले और सामाजिक व्यक्ति बन जाएंगे। आप अपना अधिक समय दोस्तों और भाई-बहनों के साथ बिताएंगे। आप सामूहिक परियोजनाओं में भाग लेंगे, यह आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा।

**वृश्चिक:** वृश्चिक राशि वालों को इस सप्ताह अपनी इंवेस्टमेंट पर प्रभाव देखने को मिलेगा। इस सप्ताह, आपकी प्राथमिकताएं स्पष्ट हो जाएंगी। आप अपनी वित्तीय स्थिति में संतुलन बनाए रखने के लिए और खर्चों का अनुमान लगाने के लिए एक बजट बना सकते हैं। आप निवेश और पोर्टफोलियो में विविधता लाने पर भी फोकस कर सकते हैं।

**धनु:** धनु राशि वालों के लिए, यह सप्ताह बेहतरीन पर्सनैलिटी और पर्सनल लाइफ में खुशियां लेकर आएगा। इस सप्ताह, आप इस बात पर अधिक ध्यान देंगे कि आप कैसे दिख रहे हैं। शॉपिंग और ग्रूमिंग सेशंस पर आप अच्छा समय और धन खर्च कर सकते हैं। यह आपके लाइफस्टाइल और रहने के माहौल में बदलाव लेकर आएगा।

**मकर:** मकर राशि वालों के लिए, यह सप्ताह अत्यधिक खर्च लेकर आ सकता है। आप दूसरों के अधिक सहानुभूति रखेंगे और दूसरों की खुशी के लिए अधिक समय और धन खर्च करेंगे। इस सप्ताह आप अपनी ऐसी भावनात्मक और मानसिक समस्याओं का समाधान करेंगे, जिन पर आपने पिछले बहुत समय से ध्यान नहीं दिया था।

**कुंभ:** कुंभ राशि वालों के लिए, यह सप्ताह प्रोफेशनल जीवन में सफलता लेकर आएगा। इस सप्ताह आप अपने सोशल ग्रुप में ज्यादा एक्टिव हो जाएंगे और किसी सामाजिक कार्य के लिए अपनी रचनात्मक क्षमताओं को सामना लाएंगे। आप इस दौरान ऐसे सामाजिक समूहों में भी शामिल हो सकते हैं।

**मीन:** मीन राशि वालों के लिए, यह सप्ताह करियर में सुधार, और अच्छी सामाजिक छवि लेकर आएगा। इस सप्ताह आपकी स्किल्स और क्षमताओं को पहचाना जाएगा। आपका सकारात्मक और नरम व्यवहार आपको करियर में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

# दुबई की खूबसूरत जगहें

**दुबई एक अमीरों वाला देश के साथ साथ प्राकृतिक रूप से भी काफी अधिक अमीर हैं। यहां पर कई ऐसे पर्यटन एवं इमारत बने हुए हैं जिसे देखना तकरीबन सभी लोगों का सपना होता है। खासकर दुबई में स्थित बुर्ज खलीफा, बुर्ज अल अरब, मिरेकल गार्डन आदि जैसे कई जगह हैं जिन्हें विजिट करना हर कोई चाहता है। अगर आप भी दुबई घूमने जा रहे हैं तो इन खूबसूरत जगहों को अवश्य विजिट करें। यकीनन आपको बताई गई यह सभी प्रमुख जगह अवश्य पसंद आएगी।**

## बुर्ज खलीफा

बुर्ज खलीफा का नाम किसने नहीं सुना होगा यह दुबई में स्थित विश्व की सबसे ऊंची इमारत के रूप में जाना जाता है। बताया जाता है कि यह 830 मीटर ऊंचा है के साथ-साथ यह 163 मंजिल का इमारत हैं। इस बुर्ज खलीफा के बारे में ही बताया जाता है कि इसमें लगी लिफ्ट विश्व की सबसे तेज चलने वाली लिफ्ट है। इस बुर्ज खलीफा को बनाने के समय के बारे में बताया जाता है कि तकरीबन 6 साल का इस दुबई के बुर्ज खलीफा को बनने में समय लगा था। आपको बता दें कि दुबई जाने वाला कोई ऐसा पर्यटक नहीं होगा जो इस बुर्ज खलीफा का दीदार करना न चाहता हो। यह बुर्ज खलीफा लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं जो खासकर इस बुर्ज खलीफा को ही देखने के लिए दुबई जाया करते हैं। अगर आप भी दुबई जा रहे हैं तो इस बुर्ज खलीफा का दीदार किए बिना वापस न आए।

## गोल्ड सुक

गोल्ड सुक दुबई के बारे में बताया जाता है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी सोने की मंडी है। दुबई ट्रिप पर अगर आप घूमने के लिए गए हैं और आप सोने की खरीदारी करना चाहते हैं तो आप दुबई में स्थित इस गोल्ड सुक को विजिट कर सकते हैं। यहां पर आपको अलग-अलग तरह के बहुत सारे सोने के आभूषण मिल जाएंगे। यहां के सोने के आभूषण को पूरे विश्व में पसंद किया जाता है। सोने की खरीदारी करने के लिए दुबई में स्थित यह जगह काफी प्रसिद्ध एवं अच्छी जगह है।

## डेजर्ट सफारी

डेजर्ट सफारी दुबई में काफी प्रसिद्ध हैं। यहां पर घूमने आने वाले पर्यटक डेजर्ट सफारी की ओर खींचे चले आते हैं। दुबई में समुद्री तटों पर शानदर छुट्टियां मनाने के लिए डेजर्ट सफारी एक बेहतरीन है। डेजर्ट सफारी का आनंद उठाने आप अपने दोस्तों के साथ जरूर जाएं। अगर आप दुबई ट्रीप पर जा रहे हैं, तो इस डिजर्ट सफारी का आनंद उठाना न भूले।

## दुबई मॉल

दुबई मॉल के बारे में बताया जाता है कि यह विश्व का सबसे बड़ा मॉल है। यह मॉल इतना बड़ा है कि आपको यहां पर कई अलग-अलग कंपनियों के हजारों की संख्या में शोरूम देखने को मिल जाएंगे। दुबई में जितने सारे मॉल हैं उनमें से यही दुबई का प्रमुख मॉल के रूप में जाना जाता है। इस दुबई मॉल को दुबई में शॉपिंग का फेस्टिवल घर के रूप में जाना जाता है। अगर आपको भी मॉल वगैरा घूमना एवं खरीदारी करना पसंद हैं और दुबई ट्रिप के लिए जा रहे हैं तो आप इस दुबई मॉल को विजिट करना न भूले क्योंकि दुबई घूमने जाने वाले तकरीबन हर पर्यटकों द्वारा इस दुबई मॉल को विजिट किया जाता है, जिन्हें शॉपिंग करना पसंद होता है।

## रास अल खोर वन्य जीव अभ्यारण

रास अल खोर वन्य जीव अभ्यारण दुबई का एक बेहतरीन जगह के रूप में जाना जाता है। यहां पर जाने के उपरांत आप अनेकों तरह के जीव-जंतु को देख सकते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए बना हुआ है यहां पर लोग शांत वातावरण में अपने जिंदगी के कुछ सुकून पल बिताने के लिए जाया करते हैं। यह जगह अपने परिवार और दोस्तों के साथ घूमने जाने के लिए एक अच्छी जगह है। यहां पर जाने के उपरांत आप फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। यह वन्य जीव अभ्यारण दुबई का एक प्रमुख स्थान के रूप में जाना जाता है।

*संकलनः स्वाति चतुर्वेदी*

# हार्ट अटैक और डायबिटीज जैसे रोग पैदा कर सकता है मुंह की ठीक सफाई न रखना

### मुंह की स्वच्छता है जरूरी

शरीर के अन्य अंगों की तरह मुंह की सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारी ओरल हेल्थ पर भी निर्भर करता है। यदि आप मुंह की स्वच्छता को मेंटेन रख रहे हैं, तो आपके स्वास्थ्य में लगातार सुधार होता रहता है। ठीक इसी प्रकार यदि आप अपने मुंह की स्वच्छता का ध्यान नहीं रख पा रहे हैं, तो शरीर में कई बड़ी बीमारियां पैदा हो सकती हैं और इनमें डायबिटीज व हार्ट अटैक जैसी बीमारियां भी शामिल हैं। दरअसल कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि मुंह की सफाई न रख पाने से मुंह के अंदर सूजन बढ़ने लगती है, जिसके कारण शरीर के ब्लड शुगर मैनेज करने की क्षमता भी प्रभावित हो जाती है। वहीं मुंह की सफाई न रखने से मसूड़ों में सूजन आने लगती है और यह हार्ट से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है। मुंह में मौजूद बैक्टीरिया शरीर के अंदर जाकर ब्लड में मिल सकता है, जो हार्ट या हार्ट वाल्व को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए मुंह की सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। चलिए जानते हैं ओरल हाइजीन मेंटेन करने वाले टिप्स के बारे में

### दिन में दो बार ब्रश

ब्रश करना एक रेगुलर प्रैक्टिस है और इसे स्किप नहीं करना चाहिए। खाना खाने से पहले और बाद ब्रश करना अच्छी प्रैक्टिस है। अगर आप इतना समय नहीं निकाल पा रहे हैं, तो सुबह और शाम दो समय ब्रश जरूर करें। नियमित ब्रश करने से ओरल हाइजीन को मेंटेन रखने में मदद मिलेगी।

### फ्लॉसिंग है जरूरी

ब्रश करने के साथ-साथ फ्लॉसिंग करने की आदत भी जरूर डाल लें, ताकि दांतों के बीच भी गंदगी जमने न पाए। दांतों के बीच मैल जमने से उसमें बैक्टीरिया पैदा होने लगते हैं और उससे कई तरह के इन्फेक्शन व अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है।

### माउथवॉश का उपयोग करें

दांतों की सड़न व मुंह के अंदर किसी भी प्रकार की बीमारी होने के खतरे को कम करने के लिए नियमित रूप से माउथवॉश का इस्तेमाल भी करना चाहिए। अच्छी क्वालिटी के माउथवॉश का इस्तेमाल करें, जो मुंह की दुर्गंध को दूर करने के साथ-साथ ओरल थ्रश जैसी समस्याएं भी न होने दे।

### टूथ फ्रेंडली डाइट

ओरल हाइजीन को मेंटेन रखने के लिए दांतों का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है। इसलिए ऐसी डाइट लें जो आपके दांतों को स्वस्थ रखे और उन्हें जरूरी पोषण भी प्रदान करे। बहुत ज्यादा ठंडे, मीठे या तले हुए फूड्स न खाएं जैसे आइसक्रीम व मिठाइयां आदि।

### रूटीन डेंटल चेकअप

ओरल हाइजीन को मेंटेन रखने के लिए सही नियमित रूप से चेकअप कराना बहुत ही जरूरी है। दांतों से जुड़ी किसी भी बीमारी का पता लगाने के लिए हर छह महीने में एक बार यानी साल में दो बार अपने डेंटिस्ट से चेकअप करवा लेना चाहिए। ऐसा करने से ओरल हेल्थ से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या का समय से पहले ही पता लगाया जा सकता है।

# ये आदतें मानसिक स्वास्थ्य को पहुंचा रहीं नुकसान

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में ज्यादातर लोग किसी ना किसी कारण तनाव से घिरे रहते हैं। ये तनाव किसी भी तरह का हो सकता है। उदाहरण के तौर पर- ऑफिस के वर्क लोड का तनाव, सैलरी कम और घर के खर्चे ज्यादा होने का तनाव या फिर पारिवारिक कलह का तनाव। ये तनाव आपकी मानसिक सेहत को हानि पहुंचाते हैं। यहां तक कि आपको हार्ट संबंधित समस्याएं भी हो सकती हैं। इसी वजह से आपको किसी भी बात का तनाव है तो अपने रुटीन में थोड़ा बदलाव करिए। योगा और ध्यान करने से आपका मानसिक स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा।

### खुद को वक्त ना देना

आजकल हर क्षेत्र में इतना कॉम्पटीशन है कि हर कोई दूसरे से आगे निकलना चाहता है। इसकी वजह से लोग अपनी आमदनी बढ़ाना चाहते हैं जिसके लिए वो खूब मेहनत करते हैं। कई लोग तो ऑफिस में ओवरटाइम भी करते हैं और वीकेंड पर भी अपने ऑफिस के काम में डूबे रहते हैं। अगर आप भी ये सब करते हैं तो इतना जरूर जान लें कि ऐसा करके आप कहीं ना कहीं आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहे हैं। अपने आप को वक्त देना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए खुद आप काम के बीच अपने लिए कुछ वक्त निकालें और खुद को रिलैक्स करने के लिए जो भी आपको अच्छा लगता हो करें। ऐसा करने पर आपका मन शांत होगा और आपको अच्छा लगेगा।

### पूर्ण डाइट ना लेना

आप जो चीजें खाते हैं उसका असर आपके शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए आप डाइट में उन चीजों को शामिल करें जो आपकी मानसिक सेहत के लिए अच्छी हों। एक अध्ययन के मुताबिक कुछ खाद्य पदार्थ आपके मानसिक सेहत को बढ़ावा देने पर मदद करते हैं। जैसे- ओमेगा 3 फैटी एसिड, जामुन और हरी सब्जियां।

### ठीक से नींद ना लेना

आपने सही पढ़ा....जी हां, ठीक से नींद ना पूरी करना भी आपकी मानसिक सेहत पर बुरा असर डालता है। कई बार ऐसा होता है कि आप देर रात तक जगते रहते हैं। इसके बाद सोते हैं और जब सुबह नींद पूरी नहीं होती है तो जाहिर सी बात है कि आपको फ्रेश फील नहीं होगा। कई लोगों के तो सिर में दर्द भी रहता है और तनाव भी महसूस करते हैं। इसलिए हमेशा पूरी नींद लें। ऐसा ना करना भी आपके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डालता है।

### एक्सरसाइज ना करना

रोजाना एक्सरसाइज ना करने से भी आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। जब आपक व्यायाम करेंगे तो आपका शरीर खुश हार्मोन रिलीज करता है। जो कि आपके मूड को अच्छा रखता है और मानसिक सेहत अच्छी रहती है। इसलिए रोजाना रुटीन में व्यायाम को शामिल करें।

# इंटरकोर्स के बाद यूरिन पास करना पुरुषों के लिए जरुरी नहीं

सेक्सुअल इंटरकोर्स के बाद यूरिन पास करने से सारे बैक्टीरिया शरीर से बाहर निकल जाते हैं, जिससे यूटीआई (यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन) से बचा जा सकता है। आमतौर पर ऐसा लोगों का मानना है लेकिन क्या सच में सेक्स के बाद यूरिन पास करना जरूरी होता है और क्या इससे यूटीआई से बचा जा सकता है? एक्सपटर्स की माने तो सेक्स के बाद यूरिन पास करना जरूरी नहीं होता लेकिन यह काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। सेक्स के बाद यूरिन पास करने से आप यूटीआई से काफी हद तक बच सकते हैं।

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन तब होता है जब मूत्रनली से होते हुए बैक्टीरिया आपके ब्लैडर में चले जाते हैं। महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले यूरेथ्रा काफी छोटी होती है जिस कारण बैक्टीरिया आसानी से ब्लैडर में चले जाते हैं। सेक्स के बाद यूरिन पास करने से सभी बैक्टीरिया शरीर से बाहर निकल जाते हैं। हालांकि, यूटीआई से बचने के लिए यह कोई फुलप्रूफ उपाय नहीं है। सेक्स के बाद यूरिन पास करना कोई बुरा आइडिया नहीं है। ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें सेक्स के बाद यूरिन पास करने से काफी फायदा मिला है। ऐसे में अगर आप एक महिला हैं और आपको यूटीआई होने का खतरा काफी ज्यादा रहता है तो इंटरकोर्स के बाद यूरिन पास करना आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आपको यूरिन इंफेक्शन होने का कोई खतरा नहीं है तो भी सेक्स के बाद यूरिन पास करना आपके लिए नुकसानदायक साबित नहीं होगा। लेकिन पुरुषों को सेक्स के बाद यूरिन पास करने से कोई फायदा नहीं मिल पाता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पुरुषों में मूत्रनली काफी लंबी होती है जिस कारण यूरिन इंफेक्शन होने का खतरा भी ना के बराबर होता है। आदर्श रूप से, इंटरकोर्स के बाद 30 मिनट के अंदर आपको यूरिन जरूर पास करना चाहिए। इससे यूटीआई के खतरे से बचा जा सकता है। अगर आप यह सोचते हैं कि सेक्स के बाद यूरिन पास करने से प्रेग्नेंसी को रोका जा सकता है तो आप गलत हैं।

वजाइना और यूरेथ्रा बिल्कुल अलग होते हैं। यूरिन यूरेथ्रा से बाहर आता है। ऐसे में यूरेथ्रा से यूरिन रिलीज होने पर इससे वजाइना पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। शारीरिक संबंध के दौरान जब एक बार सीमन वजाइना में चला जाता है तो वह वापस बाहर नहीं आ सकता। वजाइना में जाते ही स्पर्म एग्स को फर्टिलाइज करने का काम शुरू कर देता है। अगर आप प्रेग्नेंसी प्लान कर रहे हैं तो, बहुत से मेडिकल एक्सपर्ट सुझाव देते हैं कि इंटरकोर्स के कुछ मिनटों तक उठना नहीं चाहिए। कुछ देर तक लेटे रहने से स्पर्म आसानी से गर्भाशय में चला जाता है। हालांकि बहुत से लोगों का मानना है कि ऐसा करने के कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर आप प्रेग्नेंसी प्लान कर रहे हैं तो इंटरकोर्स के तुरंत बाद यूरिन पास करने से आपकी प्रेग्नेंसी पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन अगर आप फिर भी थोड़ा रुकना चाहती हैं तो 5 मिनट के लिए लेटे रहें। फिर उसके बाद जाकर यूरिन पास कर सकती हैं।

सेक्स के बाद यूरिन पास करने से वो बैक्टीरिया शरीर के बाहर निकल जाते हैं जिससे यूटीआई की समस्या होती है। लेकिन इससे एसटीआई की समस्या को दूर नहीं किया जा सकता। एसटीआई से जुड़े बैक्टीरिया शरीर को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित करते हैं। ऐसे में एसटीआई से बचने का सिर्फ एक ही तरीका है कि सेक्सुअल इंटरकोर्स के दौरान हमेशा कंडोम का इस्तेमाल करें। अगर आप शारीरिक संबंध बनाने के बाद यूरिन पास नहीं करते हैं तो इससे कोई नुकसान नहीं होता,लेकिन आप यूरिन इंफेक्शन के रिस्क से बच सकते हैं। सेक्स के बाद या बाकी परिस्थितियों में यूरिन आने के बावजूद भी उसे रोककर रखने से यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

# 14 गेंदों पर 1 रन नहीं बना पाने से निराश हूं : रोहित

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

14 गेंदों पर एक रन की जरूरत के साथ, कोई उम्मीद कर सकता था कि भारत आर. प्रेमदासा स्टेडियम में एकदिवसीय श्रृंखला के शुरूआती मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल करेगा। लेकिन शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह वानिंदु हसरंगा की लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए, जिससे श्रीलंका का भारत के साथ मैच टाई होना सुनिश्चित हो गया।

भारतीय खेमे के लिए, जीत की आश्वस्त मुस्कुराहट मैच न जीतने के सदमे-भरे अहसास में बदल गई और यह पचाने के लिए कि जिस मैच को वे जीतने की कल्पना कर रहे थे वह टाई में बदल गया। मैच समाप्त होने के बाद, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह जीत नहीं पाने से निराश हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगे। उन्होंने कहा, "14 गेंदों पर एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं, लेकिन इसका ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। शुरूआत में दंश था और फिर सीम खराब होने के कारण गेंद नरम हो गई। यह ऐसा मैच नहीं था जहां आप अपने शॉट्स खेल सकते थे, खुद को खेल में लगाना था और कड़ी मेहनत करनी थी। हमने जिस तरह से संघर्ष किया उस पर गर्व है, अपना हौसला बनाए रखना महत्वपूर्ण था।"

रोहित ने 58 रन की बेहतरीन पारी खेलकर और शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी करके भारत को धमाकेदार शुरूआत दी थी। लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद, थोड़ा लड़खड़ाते हुए भारत 136/5 पर फिसल गया, इसके बाद अक्षर पटेल और केएल राहुल ने अपने 57 रन के स्टैंड के साथ

चीजों को स्थिर किया। लेकिन एक बार जब यह जोड़ी गिर गई, तो श्रीलंका ने वापसी की और दुबे की तीन बॉउंड्री के बावजूद, भारत को वह जीत नहीं मिल सकी जो उनकी पकड़ में थी।

रोहित ने कहा, "स्कोर प्राप्त करने योग्य है; आपको इसे प्राप्त करने के लिए अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। हमने टुकड़ों में अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन कोई निरंतर गति नहीं थी। हमने अच्छी शुरूआत की, लेकिन पता था कि स्पिन आने के बाद खेल शुरू होगा। हमने कुछ विकेट खो दिए और पिछड़ गए। लेकिन अक्षर और राहुल के बीच स्टैंड के माध्यम से वापस आ गए।

एडिलेड 2012 मुकाबले के बाद यह दूसरी बार था जब भारत और श्रीलंका के बीच कोई वनडे मैच टाई पर समाप्त हुआ। श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका, जिन्होंने खुद 3-30 के आंकड़े के साथ बेहतरीन गेंदबाजी की, ने कहा कि पिच में स्पिनरों के लिए टर्न थी , जिसे वह एक गेंदबाज के रूप में उपयोग करना चाहते थे।

"हमें लगा कि 230 पर्याप्त था, उन्हें आगे रोकने के लिए बेहतर प्रयास करना चाहिए था। गेंदबाजी करना आसान नहीं था, दोपहर में यह थोड़ा और अधिक हो गया। जब रोशनी आई, तो बल्ले पर गेंद आसानी से आ गई।"

बाएं हाथ का बल्लेबाज आया और मैंने सोचा कि मैं उन्हें गेंदबाजी कर सकता हूं क्योंकि यह बहुत घूमती है। मैं मैदान की ऊर्जा और दूसरे हाफ में लड़कों के खेलने के तरीके से खुश हूं, खासकर डुनिथ की पारी और निसंका ने अच्छी बल्लेबाजी की।"

डुनिथ वेलालगे , जिन्होंने हरफनमौला प्रदर्शन किया - 67 नाबाद और 2-39, को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

"विकेट से स्पिनर को मदद मिल रही थी, इसलिए मैं उन पर दबाव बनाना चाहता था।"

मैं और लियानाज साझेदारी करना चाहते थे और फिर हसरंगा के साथ अच्छी साझेदारी हुई। विकेट धीमा था, हमने लगभग 220 रन बनाने की योजना बनाई थी। दूसरी पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था। हमारे कप्तान और हसरंगा ने खेल बदल दिया।"

कुछ लोगों ने उम्मीद की होगी कि एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच, जिसे दो टीमों के बीच एक बेमेल मैच के रूप में देखा जा रहा था, एक रोमांचक टाई में समाप्त होगा। रविवार को दूसरे वनडे के लिए दोनों टीमें मैदान पर उतरेंगी, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भारत जीत हासिल करने के लिए फिनिश लाइन को पार कर पाता है, जिसे वह पार नहीं कर पाया था।

# पेरिस ओलंपिक : 52 साल बाद भारत ने हॉकी में ऑस्ट्रेलिया को दी शिकस्त सीएम योगी ने दी बधाई

भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए 52 साल में पहली बार ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। पेरिस ओलंपिक के सांतवें दिन भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पूल बी के मैच में 3-2 से हराया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय हॉकी टीम की पेरिस ओलंपिक में इस ऐतिहासिक जीत पर खुशी जाहिर और बधाई दी।

सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया... 52 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया पर विजय प्राप्त की है। सभी खिलाड़ियों और देशवासियों को हार्दिक बधाई। ये ऐतिहासिक विजय हर भारतीय की है। विजय का यह क्रम ऐसे ही चलता रहे... जय हिंद!"

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भारत की हॉकी में इस ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, "भारत ने 1972 के बाद पहली बार ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई।"

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी प्रमुख नवीन पटनायक ने भी भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए लिखा, "पेरिस ओलंपिक 2024 में मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ पूल बी मैच में 3-2 गोल से जीत हासिल करने पर भारतीय हॉकी टीम को बधाई। आशा है कि टीम आगामी मैचों में भी ओलंपिक में अपनी जीत की लय बरकरार रखेगी।" भारत की ओर से मैच में हरमनप्रीत सिंह ने दो और अभिषेक ने एक गोल दागे। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में 1972 में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए यह ग्रुप काफी कठिन था, क्योंकि बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया जैसी दो मजबूत टीमों के साथ मुकाबला था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच को भारत के लिए बड़ी बाधा माना जा रहा था। इस जीत से अब निश्चित तौर पर भारतीय हॉकी टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

इस जीत के साथ भारत पूल बी में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर खिसक गया है। बेल्जियम इस पूल में शीर्ष पर है और अर्जेंटीना चौथे स्थान पर है। पेरिस ओलंपिक के पुरुष हॉकी क्वार्टर फाइनल 4 अगस्त से शुरू होंगे।

भारत ने इससे पहले पूल बी में अपने शुरूआती मैच न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर की थी। इसके बाद अर्जेंटीना के खिलाफ 1-1 से मैच ड्रा किया था। इसके बाद आयरलैंड को 2-0 से मात दी थी।

# बीसीसीआई ने अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर शोक जताया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत के पूर्व कोच और क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिन्होंने कैंसर से लड़ाई के बाद बुधवार, 31 जुलाई, को वडोदरा में अंतिम सांस ली।

गायकवाड़ का अंतर्राष्ट्रीय करियर एक दशक से अधिक समय तक चला, इस दौरान उन्होंने 40 टेस्ट मैचों और 15 एकदिवसीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपनी ठोस तकनीक और दृढ़ निश्चय के लिए माने जाने वाले, उन्होंने ऐसे समय में तेज गेंदबाजी के कुछ बेहतरीन स्पैल का सामना करते हुए दृढ़ संकल्प दिखाया जब सुरक्षात्मक गियर न्यूनतम थे। उच्चतम स्तर के बल्लेबाज के रूप में, गायकवाड़ को 1976 में जमैका में उनकी 81 रनों की साहसिक पारी के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है, जहां उन्होंने कठिन पिच पर एक क्रूर गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ तूफान का सामना किया था, और 1983 में जालंधर में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी 201 रनों की साहसिक पारी के लिए याद किया जाता है। 671 मिनट तक बल्लेबाजी की, उनका घरेलू रिकॉर्ड भी शानदार रहा, उन्होंने 200 से अधिक प्रथम श्रेणी मैचों में भाग लिया, जिसमें उन्होंने 34 शतक और 47 अर्द्धशतक सहित 12,000 से अधिक रन बनाए।

अपने खेल के दिनों के बाद, गायकवाड़ ने विशिष्टता के साथ भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखा। उन्हें 1997 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया और उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान टीम को उल्लेखनीय सफलताएँ दिलाईं। उनके मार्गदर्शन में, भारत ने 1998 में शारजाह में एक त्रि-राष्ट्र टूर्नामेंट में प्रसिद्ध जीत हासिल की और 1999 में नई दिल्ली में एक टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ अनिल कुंबले की ऐतिहासिक 10-74 विकेट का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा देखा।

उनके रणनीतिक कौशल और खेल की गहरी समझ के कारण उन्हें खिलाड़ियों और साथियों से बहुत सम्मान मिला।उन्होंने चुनौतियों का सामना करने में कभी संकोच नहीं किया, उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएँ निभाईं और भारतीय क्रिकेट की सेवा करने के लिए हर अवसर का लाभ उठाया। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता, वह बीसीसीआई की क्रिकेट सलाहकार समिति के सदस्य, बोर्ड की शीर्ष परिषद के सदस्य, भारतीय क्रिकेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और एक कमेंटेटर और टीवी विशेषज्ञ भी थे। खेल के साथ उनके पांच दशक लंबे जुड़ाव का जश्न मनाने के लिए, बीसीसीआई ने उन्हें 2018 में सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, अंशुमान गायकवाड़ का निधन भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी क्षति है। खेल के प्रति उनका समर्पण, लचीलापन और प्यार अद्वितीय था। वह सिर्फ एक क्रिकेटर ही नहीं बल्कि कई लोगों के लिए गुरु और मित्र थे। क्रिकेट समुदाय उन्हें बहुत याद करेगा और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं क्योंकि वे इस क्षति से उबर रहे हैं। बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने कहा, अंशुमान गायकवाड़ का निधन क्रिकेट समुदाय के लिए एक गहरी क्षति है। भारतीय क्रिकेट के सच्चे सेवक, उन्हें उनके साहस, ज्ञान और खेल के प्रति समर्पण के लिए याद किया जाएगा। खेल में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है और वह अपने पीछे एक स्थायी विरासत छोड़ गये हैं।

# डीपीएस की नौकरी, 14 लाख की सैलरी, 600 गज का प्लॉट

## निखत जरीन और मोहम्मद सिराज हुए मालामाल

तेलंगाना कैबिनेट ने बॉक्सर निखत जरीन, भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और निशानेबाज ईशा सिंह को हैदराबाद में घर बनाने के लिए 600 वर्ग गज जमीन देने का फैसला किया है. इसके साथ ही, जरीन और सिराज को डीएसपी लेवल की ग्रुप-वन नौकरी प्रदान करने का भी निर्णय लिया गया है. ये फैसले राज्य के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए. राज्य सरकार ने नियुक्तियों की सुविधा के लिए तेलंगाना (सार्वजनिक सेवाओं में नियुक्तियों का विनियमन और कर्मचारी पैटर्न और वेतन संरचना का युक्तिकरण) अधिनियम, 1994 में संशोधन किया है. इस आशय का एक विधेयक विधानसभा द्वारा पारित किया गया. निखत जरीन ने 2022 में इस्तांबुल में विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक और नई दिल्ली-2023 अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी एसोसिएशन महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था. उन्होंने तीन बार सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज का पुरस्कार जीतने के अलावा ग्यारह अंतरराष्ट्रीय और सात राष्ट्रीय पदक भी अपने नाम किए हैं. इसके अलावा, निखत बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में हुए स्ट्रैंड्जा इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में दो गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं. मोहम्मद सिराज ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विश्व कप फाइनल सहित प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में देश का प्रतिनिधित्व किया. बिल में कहा गया है कि हाल ही में देश ने 13 साल बाद टी-20 विश्व कप जीता था और सिराज तेलंगाना के एकमात्र क्रिकेटर थे, जो टी-20 विजेता टीम का हिस्सा थे.

# कल्कि कोचलिन को भारी पड़ा ज्यादा गौरी होना

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन ने फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने भले ही अब तक चुनिंदा फिल्में की हैं, लेकिन वे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के साथ अपनी तगड़ी एक्टिंग की बदौलत फैंस का दिल जीतने में सफल रहीं। कल्कि जल्द हीं मच अवेटेड वेब सीरीज 'मेड इन हेवन 2' में एक बार फिर से 'फैजा' के किरदार में दिखेंगी। देव डी और ये जवानी है दीवानी जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं कल्कि को एक्टिंग की दुनिया में कदम रखे एक दशक से ज्यादा समय बीत चुका है। कल्कि शैतान, शंघाई, एक थी डायन, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा और गली बॉय मूवी में भी नजर आ चुकी हैं।

कल्कि ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें करिअर बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। कल्कि ने बताया कि ज्यादा गौरी होने से लोग उन्हें कैसी नजरों से देखते थे। उन्हें गौरे रंग के चलते काफी बातें सुननी पड़ती थीं। कल्कि ने कहा कि मैंने बचपन से भेदभाव देखा है। लोग समझते थे कि मैं ड्रग्स लेती हूं क्योंकि मेरे ग्रुप में मैं अकेली बहुत गौरी लड़की थी। इसमें मेरी गलती नहीं है कि मेरा रंग बहुत गौरा है। कल्कि ने आगे बताया कि इतना ही नहीं गौरी होने से मेरे कैरेक्टर पर भी बहुत सवाल उठते थे, क्योंकि लोगों का मानना था कि गौरी लड़कियां कैरेक्टरलेस होती हैं। लेकिन जैसे ही मैं उन्हें तमिल में जवाब देती थी, तो वो लोग मुझे अक्का और सिस्टर कहने लगते थे। मेरी भाषा सुनकर उनकी सोच बदल जाती थी। गौरतलब है कि कल्कि का जन्म पुडुचेरी में एक फ्रेंच परिवार में हुआ। उनके माता-पिता फ्रेंच मूल के हैं, लेकिन उनकी वेशभूषा और भाषा भारतीय ही रही। कल्कि कास्टिंग काउच की शिकार भी हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि मैंने एक फिल्म का ऑडिशन दिया था, जिसके लिए मुझसे कहा गया कि प्रोड्यूसर से मिलना पड़ेगा। जब मैं ऑफिस में प्रोड्यूसर से मिलने गई तो उन्होंने कहा कि ये तुम्हारे लिए बड़ा मौका है। मैं तुम्हे और अच्छे से जानना चाहता हूं। क्या तुम मेरे साथ डिनर पर चलोगी। मैं समझ गई कि ये कुछ गलत करना चाहता है। तभी मैंने कहा देखो, मैं उस टाइप की लड़की नहीं हूं।

डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

# किसी के प्यार में पड़ी निया शर्मा

इन दिनों फैंटेसी-थ्रिलर-रोमांस 'सुहागन चुड़ैल' में नजर आ रही हैं। दर्शक उनके किरदार निशिगंधा को काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने सेट से बीटीएस (बिहाइंड द सीन) वीडियो शेयर किया। Nia ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सुहागन चुड़ैल' के सेट से बीटीएस वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'चारपाई' पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और उनके सामने बहुत सारी चूड़ियां रखी हैं। वह कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते हुए और शरमाते हुए नजर आ रही हैं।

वीडियो में निया ब्लैक कलर की आउटफिट में हैं। एक्ट्रेस ने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर 'इश्क दी बाजियां' गाने को एड किया। इस वीडियो को शेयर करते हुए निया ने कैप्शन में लिखा, "लड़कियां जब प्यार में होती हैं...#बीटीएस #सुहागनचुड़ैल।" इस वीडियो पर उनके फैंस ने जमकर कमेंट किए। एक फैन ने कहा, "बहुत सुंदर," दूसरे ने लिखा, "ऑलवेज प्यारी।" एक अन्य ने लिखा, "ये चुड़ैल कितनी खूबसूरत है।" शो में देबचंद्रिमा सिंघा रॉय और जैन इबाद खान भी हैं। 'सुहागन चुड़ैल' कलर्स पर प्रसारित होता है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, निया शर्मा का असली नाम नेहा शर्मा है। इंडस्ट्री में आने के लिए उन्होंने अपना नाम बदला। उन्होंने साल 2010 में स्टार प्लस के शो 'काली-एक अग्निपरीक्षा' से एक्टिंग करियर की शुरूआत की। लेकिन लोकप्रियता 2011 में आए सीरियल 'एक हजारों में मेरी बहना है' से मिली। इसमें उन्होंने मानवी का किरदार निभाया। यह शो 2013 में ऑफ एयर हो गया। इसके बाद, 2014 में वह अक्षय कुमार द्वारा प्रोड्यूस जी टीवी के शो 'जमाई राजा' में नजर आईं। इसमें उन्होंने रोशनी पटेल का रोल निभाया। दर्शकों ने शो में उनकी और रवि दुबे की जोड़ी को काफी पसंद किया था।

इसके बाद निया ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी कदम रखा और विक्रम भट्ट की वेब सीरीज 'ट्विस्टेड' में बोल्ड सींस किए। इसके अलावा, 'जमाई 2.0' में भी किसिंग सींस दिए। निया को 2016 और 2017 में एशिया की सबसे डिजायरेबल महिलाओं की लिस्ट में शामिल किया गया। निया ने कलर्स के पॉपुलर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' और डांसिंग शो 'झलक दिखला जा 10' में भी हिस्सा लिया। उन्हें 'नागिन 4', 'मेरी दुर्गा' और 'इश्क में मरजावां' जैसे शोज में भी देखा गया।

# सनी लियोन

## रिश्तों में सबसे महत्वपूर्ण चीज 'बातचीत' है

एमटीवी का डेटिंग रियलिटी शो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5: एक्सस्क्वीज मी प्लीज' सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। शो को एक्ट्रेस सनी लियोन होस्ट कर रही हैं। उन्होंने रिश्तों के हर पहलू पर काम करने वाले 'की फैक्टर' को शेयर किया।

शो के लेटेस्ट एपिसोड के दौरान, सनी ने कहा, "रिश्तों में सबसे इम्पोर्टेन्ट चीज क्या होती है? कम्युनिकेशन।" हमारे आइडियल मैच के लिए 'बेकेशन' का समय आ गया है। शोडाउन के बाद, नायरा और दिग्विजय ने आइडियल मैच जीत लिया। बाद में, हर्ष ने खुलासा किया कि कशिश को छोड़ने का उसका फैसला एडी के दिमाग की उपज था। इससे कशिश हैरान और दुखी हो गई।

'एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5: एक्सस्क्वीज मी प्लीज' एमटीवी और जियो सिनेमा पर उपलब्ध है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सनी ने हाल ही में तमिल फिल्म 'कोटेशन गैंग' का फर्स्ट लुक जारी किया, इसमें ग्लैमरस अवतार को छोड़ वह एक ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में नजर आ रही हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
**प्रकाशन:** प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes